NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 119 लखनऊ, रविवार 15 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा दिव्य, भव्य व डिजिटल महाकुंभ का सपना: योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आना और मां गंगा-यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा-अनुष्ठान करना प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह महाकुंभ संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के भीतर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है।

प्रयागराज (एजेसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आना और मां गंगा–यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा–अनुष्ठान करना प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ–2025 की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह महाकुंभ संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के भीतर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है। योगी ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ–2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुंभ–2025 के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं।उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयासों और सनातन धर्मावलंबियों के हितों की रक्षा के साथ ही कुंभ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार भी जताया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैंकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं को अक्षय वट के दर्शन हुए थे। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अक्षयवट कॉरिडोर का भी उद्घाटन होने जा रहा है।उन्होंने कहा कि बड़े हनुमान जी जिनका अभिषेक करने के लिए मां गंगा प्रतिवर्ष आती हैं, उस बड़े हनुमान मंदिर के कॉरिडोर का लोकार्पण भी आज प्रधानमंत्री मोदी के कर–कमलों द्वारा होने जा रहा है। योगी ने कहा कि सरस्वती कूप, जिसमें अदृष्य रूप में मां सरस्वती वास करती हैं और संगम पर गंगा–यमुना के साथ ही उनका संगम होता है, पहली बार 2019 के कुंभ में ही श्रद्धालुओं को इस पवित्र सरस्वती कूप के दर्शन सुलभ हुए थे। सरस्वती कूप का यही भव्य रूप अब सरस्वती कॉरिडोर के रूप में लोकार्पण के जरिए सबके समक्ष होगा और सर्व सुलभ होगा।भगवान श्रीराम जब वनवास के लिए निकले थे तो सबसे पहले उन्होंने मैत्री का हाथ श्रृंगावेरपुर में निषादराज के समक्ष बढ़ाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां भगवान राम और निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा व कॉरिडोर का लोकार्पण भी होने जा रहा है। योगी ने कहा कि प्रयागराज शहर, आसपास के जनपदों और दुनिया के सबसे बड़े अस्थायी शहर के तौर पर साकार हो रहा महाकुंभनगर भी उनकी ही प्रेरणा का द्योतक है। प्रयागराज महाकुंभ–2025 के शुभारंभ की दृष्टि से हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ हो रहा है।

आम चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव तक... इन राजनीतिक घटनाओं की इस साल रही खूब चर्चा

साल की शुरुआत में ही एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला। देश में भाजपा के खिलाफ विपक्षी इंडिया गठबंधन की नींव रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार दी।

नई दिल्ली (एजेसी)साल 2024 अपने समापन की ओर है। 2024 में भारत में कई राजनीतिक घटनाओं को देखा गया। इस साल देश में आम चुनाव भी हुए। इसके अलावा कई राजनीतिक उठा पटक का दौर भी हम सबके सामने आया। इस साल की कुछ सबसे बड़ी राजनीतिक हलचल के बारे में आपको हम बताते हैं।

नीतीश कुमार का पलटी मारना

साल की शुरुआत में ही एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला। देश में भाजपा के खिलाफ विपक्षी इंडिया गठबंधन की नींव रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार दी। जनवरी के महीने में चर्चाओं के बीच उन्होंने एक बार फिर से एनडीए में वापसी की और नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने में भी कामयाब हुए। नीतीश कुमार की वजह से भाजपा को चुनावी लाभ हुआ।

आम चुनाव

2024 में देश में आम चुनाव हुए। यह आम चुनाव भीषण गर्मी के बीच सात चरणों में संपन्न हुए। इस आम चुनाव में एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला देखने को मिला। एनडीए ने एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव 400 पार का नारा देकर मैदान में उतरी। भाजपा को बड़ा झटका लगा। वह अपने दम पर सरकार नहीं बना सकी। एनडीए को 293 सीटें ही मिल सकी। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन 201 सीट हासिल करने में कामयाब रहा। कांग्रेस 99 सीट जीतने में सफल रही। वहीं अन्य पार्टियों को 33 सीटे एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार तीसरी बार देश में बनी।

ओडिशा चुनाव

इस साल सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक चुनावी नतीजे ओडिशा से हैं। लोकसभा चुनाव के साथ ही ओडिशा में विधानसभा के चुनाव हुए थे। 147 सीटों वाली ओडिशा विधानसभा में भाजपा ने 78 सीटों पर जीत हासिल की। इसके साथ ही पार्टी ने 24 सालों से ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे नवीन पटनायक और उनकी पार्टी की सरकार को खत्म किया। भाजपा ने मोहन चारण माझी को वहां का मुख्यमंत्री बनाया है।

आप विधायक नरेश बालियान को फिर से लगा झटका

नई दिल्ली (एजेसी)दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आप के उत्तम नगर विधायक नरेश बालियानको कथित संगठित अपराध से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि पुलिस को उनकी आगे की रिमांड देने से इनकार कर दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश तब पारित किया जब बाल्यान को मामले में पहले दी गई सात दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया।न्यायाधीश ने दिल्ली पुलिस की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में उसकी 10 दिन की अतिरिक्त हिरासत की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने बालियान की आगे की पुलिस हिरासत की मांग करते हुए कहा कि मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ की आवश्यकता है।बालियान को मामले में पहले दी गई सात दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया था। विधायक को कथित संगठित अपराध मामले में 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अदालत ने पहले कथित जबरन वसूली मामले में उन्हें जमानत दे दी थी।

चुनाव में पार्टी की हार से दुखी नाना पटोले, छोड़ना चाहते हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद, खड़गे को लिखा पत्र

विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की घटक कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 101 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 16 सीटें जीतीं, जो कि अपने एक समय के गढ़ में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। राज्य में इसके कई शीर्ष नेता अपने विधानसभा क्षेत्रों को बरकरार रखने में विफल रहे। नाना पटोले ने खुद भंडारा जिले के साकोली विधानसभा क्षेत्र को केवल 208 वोटों से बरकरार रखा।

मुम्बई (एजेसी)महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करने के कुछ दिनों बाद, इसकी राज्य इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्रीय नेतृत्व से उन्हें संगठनात्मक पद की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध किया। नाना पटोले ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिखा, जहां उन्होंने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का अनुरोध किया और नई कार्यकारिणी की नियुक्ति के साथ–साथ राज्य कार्यकारिणी को भंग करने के लिए कहा, ताकि राज्य में कांग्रेस एक बार फिर मजबूत हो सकती है।विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की घटक कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 101 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 16 सीटें जीतीं, जो कि अपने एक समय के गढ़ में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। राज्य में इसके कई शीर्ष नेता अपने विधानसभा क्षेत्रों को बरकरार रखने में विफल रहे। नाना पटोले ने खुद भंडारा जिले के साकोली विधानसभा क्षेत्र को केवल 208 वोटों से बरकरार रखा।इस बीच, देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार 14 दिसंबर तक होगा। 14 दिसंबर तक होगा कैबिनेट विस्तारशिवसेना को गृह विभाग दिए जाने की संभावना खारिज. सूत्र ने कहा, श्शिवसेना को शहरी विकास तो मिल सकता है लेकिन राजस्व मिलने की संभावना नहीं है। नेता ने कहा कि बीजेपी को सीएम पद सहित 21 से 22 मंत्री पद बनाए रखने की उम्मीद है, साथ ही चार से पांच मंत्री पद खाली रखे जा सकते हैं।

चार चुनावों में बाबरपुर सीट पर भाजपा का परचम लहरा चुके हैं नरेश गौर, गोपाल राय के हाथों 2015 में मिली थी हार

नरेश गौड़ दिल्ली प्रदेश के पूर्व विधायक और वकील हैं। वह वर्तमान में बाबरपुर निर्वाचन क्षेत्र से दिल्ली विधानसभा में विधान सभा के सदस्य रहे हैं। पूर्व विधायक गौर दिल्ली विश्वविद्यालय और मेरठ विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। वे बाबरपुर से तीन बार निर्वाचित हुए हैं। 1993 के बाद से वे पहली बार 2003 में चुनाव हारे थे।

नई दिल्ली (एजेसी)नरेश गौड़ दिल्ली प्रदेश के पूर्व विधायक और वकील हैं। वह वर्तमान में बाबरपुर निर्वाचन क्षेत्र से दिल्ली विधानसभा में विधान सभा के सदस्य रहे हैं। पूर्व विधायक गौर दिल्ली विश्वविद्यालय और मेरठ विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। वे बाबरपुर से तीन बार निर्वाचित हुए हैं। 1993 के बाद से वे पहली बार 2003 में चुनाव हारे थे। इस के साथ उन्होंने फिर से जोरदार वापसी करते हुए दो बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें 2015 में आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री गोपाल के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद वे अब तक वापसी नहीं कर पाये हैं।

व्यक्तिगत जीवन और शिक्षा

भाजपा नरेश गौड़ का जन्म 5 अक्टूबर 1952 को बुलंदशहर उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्याम लाल कॉलेज से कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय (अब चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय) में दाखिला लिया, जहाँ उन्होंने विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। गौर की शादी मणि गौर से हुई है और उनके दो बेटे वरुण और अरुण और एक बेटी स्वाति है। वह उत्तर पूर्वी दिल्ली के शाहदरा के नवीन शाहदरा मोहल्ले में रहते हैं । उनकी रुचियों में पढ़ना, राजनीति और इतिहास शामिल हैं। वह पेशे से वकील हैं।गौर भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं, जो भारतीय संसद और दिल्ली विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल है। उन्होंने लगातार चार चुनावों में बाबरपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा है। वे 1993 में दिल्ली की पहली विधानसभा के लिए चुने गए, उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आमतौर पर कांग्रेस के रूप में जाना जाता है) के भोपाल सिंह को 15,301 मतों के अंतर से हराया। 1998 के राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी जीत का अंतर कांग्रेस के अब्दुल हमीद के मुकाबले काफी कम होकर 963 वोटों पर आ गया।

वे 2003 में कांग्रेस उम्मीदवार विनय शर्मा से 4,259 मतों से हार गए। 2008 के राज्य विधानसभा चुनाव में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के हाजी दिलशाद अली को 3,826 मतों के अंतर से हराकर बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार जीत हासिल की। 4 दिसंबर को होने वाले 2013 के राज्य विधानसभा चुनाव से पहले, भाजपा ने संभावित उम्मीदवारों से संबंधित एक आंतरिक सर्वेक्षण किया। टाइम्स ऑफ इंडिया ने बताया कि इसमें गौर के साथ–साथ पांच अन्य मौजूदा विधान सभा सदस्यों को चुनाव के लिए ष्कमजोर उम्मीदवारष् पाया गया। हालांकि, बाबरपुर निर्वाचन क्षेत्र से गौर की उम्मीदवारी की पुष्टि पार्टी ने 7 नवंबर 2013 को की थी।

आरबीआई के नवनियुक्त गर्वनर को रूसी भाषा में धमकी भरा ईमेल मिला, जांच शुरू

मुंबई (एजेसी) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवनियुक्त गर्वनर संजय मल्होत्रा को शुक्रवार को धमकी भरा एक ईमेल मिला है।इसमें रूसी भाषा में मुंबई स्थित बैंक परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बम की धमकी गर्वनर के आधिकारिक ईमेल पर भेजा गया है।धमकी भरे ईमेल की जानकारी मिलने पर, मुंबई पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है और इमेल भेजने वाली जांच की जा रही है।मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी मिली है, जो रूषी भाषा में है। इसमें

लोकसभा में दहाड़े राजनाथ, प्रियंका का भाषण भी दमदार, राज्यसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर गदर

नई दिल्ली (एजेसी)संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। हालांकि शीतकालीन सत्र में देखा जाए तो कुछ खास कामकाज नहीं हो सका है। आज भी राज्यसभा में शोर शराबा जारी रहा जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही को एक बार फिर से स्थापित करनी पड़ी। दूसरी ओर लोकसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा हुई जिसमें तमाम दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। लोकसभा ने शुक्रवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को सबसे कम उम्र में विश्व शतरंज चौंपियनशिप जीतने पर बधाई दी। वहीं, लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस सदस्य महुआ मोइत्रा के बयान पर सत्तापक्ष की आपत्ति के बाद दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप भी देखने को मिला।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है, लेकिन इसके निर्माण के कार्य को एक पार्टी विशेष द्वारा 'हाईजैक' करने की कोशिश हमेशा की गई है। उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संविधान के मूल्यों को केंद्र में रखकर काम कर रही है। लोकसभा के उप नेता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष के कई नेता संविधान की प्रति अपनी जेब में रखकर घूमते हैं क्योंकि उन्होंने पीढ़ियों से अपने परिवार में संविधान को जेब में ही रखे देखा है।

अल्लू अर्जुन की कोई गलती नहीं, कार्रवाई को जगन मोहन ने ठहराया पूरी तरह गलत

नई दिल्ली (एजेसी)वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 4 दिसंबर को एक महिला की मौत के मामले में अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी की शुक्रवार को आलोचना की। रेड्डी ने परिवार के साथ खड़े रहने पर एक पोस्ट में कहा। लेकिन इस घटना के लिए उन्हें सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराना कहां तक घ्छचित है? भले ही वह भगदड़ में शामिल नहीं था, फिर भी अर्जुन के खिलाफ आपराधिक मामला बनाना और उसे गिरफ्तार करना स्वीकार्य नहीं है। मैं अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करता हूं।तेलंगाना हाई कोर्ट ने फिल्म पुष्पा 2 के प्रदर्शन के दौरान महिला की मौत मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को शुक्रवार को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दे दी। इससे पहले दिन में हैदराबाद की एक अदालत ने अभिनेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। अदालत ने अभिनेता को अंतरिम जमानत देते हुए उन्हें मामले की जांच में अधिकारियों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। अल्लू अर्जुन को उनकी हाल में प्रदर्शित फिल्म 'पुष्पा 2रू द रूल' के प्रीमियर के दौरान एक महिला की मौत के मामले में आज ही हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था और न्यायिक हिरासत के आदेश के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चंचलगुडा जेल भेज दिया गया था। चार दिसंबर की रात अभिनेता की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक संध्या थिएटर में उमड़ पड़े थे। उसी दौरान भगदड़ मचने से 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत हो गई थी और उनका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया था। हैदराबाद पुलिस ने महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 118 (1) के तहत चिक्कड़पल्ली थाने में मामला दर्ज किया है।

बल्लीमारान विधानसभा पर हारुन यूसूफ ने किया है एकछत्र राज, शीला कैबिनेट में बने थे मंत्री

नई दिल्ली (एजेसी)हारून यूसुफ राजधानी की राजनीति में दिल्ली के दिग्गज कांग्रेस नेता हारून यूसुफ राजधानी की राजनीति में पार्टी के एक एक जाने माने चेहरा हैं। उन्होंने श्रीमती शीला दीक्षित की अध्यक्षता वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दिल्ली सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और उद्योग विभाग के मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

पार्टी के एक एक जाने माने चेहरा हैं। उन्होंने श्रीमती शीला दीक्षित की अध्यक्षता वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दिल्ली सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और उद्योग विभाग के मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने बल्लीमारान विधानसभा सीट पर दिल्ली राज्य के गठन से लेकर 2015 तक लगातार राज किया है। शीला दीक्षित ने उनको अपनी कैबिनेट में भी शामिल किया था।

यूसुफ का जन्म 6 मार्च 1958 को दिल्ली में मोहम्मद यूसुफ के घर हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज से एम.कॉम. की पढ़ाई की । 1988 में उन्हें दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस का सचिव चुना गया और उन्होंने अखिल भारतीय युवा कांग्रेस विंग के एंटी–नारकोटिक सेल के अध्यक्ष का पदभार संभाला और 1989 में उन्हें अखिल भारतीय युवा कांग्रेस विंग का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

राजनीतिक सफर वह 1993 में पहली बार बल्लीमारान से दिल्ली विधानसभा के लिए चुने गए थे और तब से 2015 तक हर विधानसभा चुनाव मेंउसी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह बल्लीमारान निर्वाचन क्षेत्र से पांचवीं बार चुने गए थे। वह दिल्ली वक्फ बोर्ड के पहले निर्वाचित अध्यक्ष (1999–2004) हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ से रामनगरी में भी तैयारियां शुरू, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनेगी टेंट सिटी

-जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों की बैठक में किया गया मंथन
-बसंत पंचमी व मकर संक्रांति स्नान पर 5 से 6 लाख श्रद्धालु पहुचेंगे अयोध्या

अयोध्या(एजेंसी। प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ मेला लग रहा है। ऐसे में महाकुंभ के श्रद्धालुओं की भीड अयोध्या में भी बढ़ेगी। महाकुंभ के बसंत पंचमी व मकर संक्रांति मेले में 5 से 6 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच सकते हैं। किसी भी तरीके से उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े इसे लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अफसरों की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, डीएम चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैय्यर और संबंधित विभागों के जिम्मेदार शामिल रहे।महाकुंभ, मकर संक्रांति, बसंत पंचमी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने की बात अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहीं। विधायक ने मेला क्षेत्र में सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पानी की आपूर्ति, पार्किंग, शौचालयों की व्यवस्था, यात्री विश्राम स्थलों पर टेंट लगवाने, अस्थायी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, विद्युत आपूर्ति, जल निगम द्वारा नालियों की सफाई, मेला क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत और मेला क्षेत्र में खाद्य एवं पेय पदार्थ की चेकिंग आदि को सुनिश्चित करने की बात अधिकारियों से कहीं। कहा कि रेलवे स्टेशन से प्रत्येक दिन आ रहे भक्तों को बसों से अयोध्या धाम लेकर जाया जाए साथ ही उन्हें किसी प्रकार से कोई दिक्कत न हो इसका ध्यान रखा जाए।व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भक्तों के भोजन के लिए भंडारा चलाया जाएगा। वहीं महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने मेले की व्यवस्थाओं पर जोर देते हुए अधिकारियों से अपील की कि वे सभी कार्य जिम्मेदारी से करें ताकि श्रद्धालुओं परेशान न हो और मेला शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को अस्थायी चिकित्सा केंद्र, दवाइयों की उपलब्धता, इमरजेंसी एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही, मेला क्षेत्र में विभिन्न घाटों की सफाई और मरम्मत के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया। पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, जल पुलिस और मोटर बोट की व्यवस्था, अग्निशमन, वाटर कैनन आदि की व्यवस्था करने को कहा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर ने भी विभागीय तैयारियों के बारे में जानकारी दी और कहा कि पुलिस विभाग अन्य विभागों को सभी प्रकार का सहयोग देगा।

एडीएम सिटी सलिल पटेल ने मेले की तैयारियों पर जानकारी दी। बताया कि अयोध्या धाम में टेंट सिटी बन रही है जिसमें 3000 टेंट होंगे। संपूर्ण मेला क्षेत्र में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, टूटी हुई सड़कों की मरम्मत पर विशेष ध्यान होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम होंगे।13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालु पवित्र सरयू नदी में स्नान कर मठ–मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे। इसी दौरान अयोध्या में मकर संक्रान्ति मेला 12 जनवरी से 16 जनवरी 2025 और बसंत पंचमी मेला 1 फरवरी से 5 फरवरी 2025 का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण, आदि उपस्थित रहे।

सी.एम.एस. अर्शफाबाद द्वारा 'स्पोर्टस डे' का आयोजन बच्चों की खेल प्रतिभा से अभिभूत हुए अभिभावक

लखनऊ, 14 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा 'एनुअल स्पोर्टस डे' का भव्य आयोजन आज विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्री–प्राइमरी व प्राइमरी के नन्हें–मुन्हें छात्रों ने अपनी अभूतपूर्व खेल प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया एवं चुस्ती–फुर्ती से परिपूर्ण फिजिकल फिटनेस एक्टिविटी द्वारा इण्डिया फिट एण्ड यंग का सन्देश दिया। इस अवसर पर लक्ष्मण अवार्ड विजेता श्री उमेश प्रसाद एवं प्रख्यात एथलीट श्री यशपाल चौधरी ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा को बढ़ाया एवं नन्हें–मुन्हें बच्चों की हौसलाअफजाई की। खेल समारोह का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना से हुआ एवं इसके उपरान्त खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पदकों की जबरदस्त होड़ रही और छात्रों ने अपनी शक्ति, दमखम, प्रतिभा व क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में केजी कक्षा के छात्रों ने कैटरपिलर रेस अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तो वहीं दूसरी ओर कक्षा 1 के छात्रों ने ड्रिल प्रस्तुतिकरण एवं बैलून रेस में अपनी खेल प्रतिभा दिखाई जबकि कक्षा–2 के छात्रों ने जुम्बा एवं एरोबिक्स एवं पिरामिड रेस में अपने दमखम का प्रदर्शन किया। इसी प्रकार, कक्षा–3 के छात्रों ने बास्केट फन रेस, कक्षा–4 के छात्रों ने डक रेस एवं कक्षा–5 के छात्रों ने ब्रिज रेस प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा व बहुमुखी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। समारोह पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ, जिससे छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिला। खेल प्रतिस्पर्धाओं में विजयी छात्रों को सार्टिफिकेट, मैडल व शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। सी.एम.एस. अर्शफाबाद की प्रधानाचार्या श्रीमती अनुपमा चेकर ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए शारीरिक विकास का होना अति आवश्यक है और यह खेलों द्वारा ही सम्भव है। अतः इस तरह के आयोजनों से छात्रों में आपसी सहयोग, आत्म विश्वास व जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

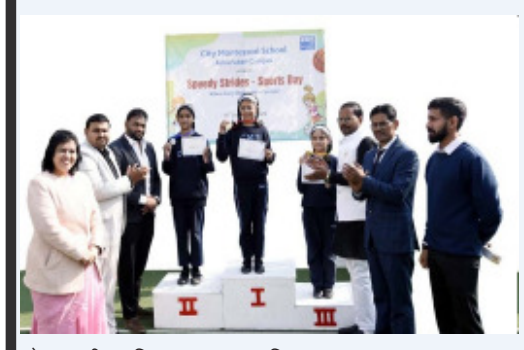

पीएलआई सभी बीमा कम्पनियों से बेहतर: हरे कृष्ण यादव

-पीएलआई का 8 जनवरी को महाअभियान, घर घर सम्पर्क करें डाक कर्मचारी

अयोध्या(एजेंसी। मिल्कीपुर फायर स्टेशन पर में खंडासा, कुमारगंज, मिल्कीपुर, इनायतनगर, शाहगंज, बारुन, अछोरा, कुचेरा, हरिंगटनगंज के सैकड़ों शाखा पोस्टमास्टरों के साथ बैठक में मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने 8 जनवरी को डाक जीवन बीमा महाअभियान की सफलता के लिए बैठक किया । इस दौरान मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने बताया कि 8 जनवरी को मण्डल के सभी डाकघरों में एक साथ डाक जीवन बीमा का महाअभियान चलाया जा रहा है । जिसमें डाक कर्मी अपने क्षेत्र के अध्यापक, पुलिस कर्मी, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील के साथ साथ स्नातक डिग्री धारकों से सम्पर्क कर भारत सरकार के डाक जीवन बीमा योजना का लाभ दिलवाने के लिए खूबियों से रूबरू करवाते हुए बीमा पॉलिसी करने का लक्ष्य होगा । इस दौरान प्रवर अधीक्षक श्री यादव ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए प्राइमरी अध्यापक, पुलिस कर्मियों को पीएलआई में सबसे अधिक फायदा है डाक जीवन बीमा सुरक्षा कवच के साथ साथ धन संचय में भी लाभदायक है । साथ ही बताया कि पोस्टल इंश्योरेंस का दायरा इसलिए बढ़ाया गया है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को सामाजिक सुरक्षा का कवच मिल सके साथ ही यह भी कहा कि पोस्टल इंशोरेंस के साथ डाक विभाग का भरोसा जुड़ा है । उन्होंने यह भी बताया कि डाक जीवन बीमा में बिचौलियों की कोई जगह न होने के कारण किश्त कम है और भुगतान अधिक है साथ ही इसका प्रीमियम प्राइवेट बीमा कंपनियों से ही नहीं बल्कि सभी बीमा कम्पनियों से भी कम है । भारत सरकार की यह योजना सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए लाभदायक है इसका लाभ सभी को लेना चाहिए जिससे अल्प बचत के साथ आयकर में छूट भी है जो कर्मचारियों के भविष्य को सँवारने मेंअहम भूमिका निभायेगा । इस दौरान श्री यादव ने यह भी बताया कि डाक जीवन बीमा पॉलिसी में किश्त कम अधिक भुगतान बोनस दिया जाता है। इससे पॉलिसी होल्डर को सीधा लाभ होता है । श्री यादव ने यह भी बताया कि अब डाक जीवन बीमा का दायरा भी बढ़ा दिया गया है । अब डॉक्टर, इंजीनियर, वकील सहित, स्नातक डिग्री धारक तथा अन्य पेशों से जुड़े लोग भी डाक जीवन बीमा करवा सकेंगे। अभी तक यह योजना केवल केंद्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए ही लागू थी और अब निजी शिक्षण संस्थाओं को भी दिया जाने लगा है । मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस डाक जीवन बीमा योजना पर अन्य खर्चों को कम करके अधिक से अधिक भुगतान लाभ ग्राहक को दिया जाता है साथ साथ प्रत्येक माह किसी भी डाकघर मेंआसान किश्त जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराया गया वार्षिक, अर्द्ध वार्षिक किश्तों को जमा करने पर छूट भी दिया जाता है । अन्य किसी भी बीमा कम्पनियों से कम किश्त एवं अधिक बोनस देय है। मतलब आपका पूरा पैसा आपके पॉलिसी में तथा आयकर में छुट व लोन की भी सुविधा उपलब्ध है इस दौरान निरीक्षक अमित कुमार, राघवेंद्र सिंह, घनश्याम पांडेय, शिवाकांत आदि मौजूद रहे ।

दायित्वों का निर्वाहन न करने वाली आशा, एएनएम के विरुद्ध की जाए कड़ी कार्रवाई : डीएम

-स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

अयोध्या(एजेंसी। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.संजय जैन से कहा कि पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाए जाएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि जो भी आशा, एएनएम दिये गये दायित्वों का सही ढंग से निर्वाहन नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्व कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिये कि संबंधित अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करते रहें। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान एमओआईसी सोहावल, मिल्कीपुर, हैरिंग्टनगंज के वेतन रोकने के निर्देश दिये। साथ ही एमओआईसी मसौधा को सही कार्य न करने के कारण कड़ी फटकार लगायी। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी की बेहतर सुविधा है। आशा व एएनएम सम्बंधित मरीजों को सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी कराने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि इस समय राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान कार्यक्रम चल रहा है इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए और मरीजों को चिन्हित करते हुये उन्हें बेहतर इलाज सुनिश्चित कराया जाय।

बैठक में राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि नवजात शिशु (0 से 5 वर्ष) तक सभी बच्चों का समय से टीकाकरण किया जाय साथ ही यू–विन के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर सेशन क्रिएशन शत प्रतिशत किया जाय तथा बाल विकास पुष्टाहार व शिक्षा विभाग से समन्वय कर नियमित टीकाकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे सभी पात्र बच्चों का सही से हेड काउंट सर्वे करा कर उनका शत प्रतिशत टीकाकरण से आच्छादित किया जाय। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में और भी प्रगति लाने के निर्देश के साथ साथ लाभार्थियों का भुगतान शत प्रतिशत सुनिश्चित कराया जाए एवं जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में और भी प्रगति लाने के निर्देश के साथ साथ लाभार्थियों का पेमेंट समय से किया जाय। पीएम एसएमए के अंतर्गत 2&3 ट्रायमेस्टर की गर्भवती महिलाओं का एक बार अल्ट्रासाउंड अवश्य कराये जाने के निर्देश दिये तथा जिले के सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर को पीएम, एसएमए योजना से जोड़ा जाय, जिससे सभी गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड सुगमता से हो सके। बैठक में डीपीओ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, संबंधित विभागों के जनपदीय अधिकारी, नोडल अधिकारी, सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक आदि सहित संस्थाओं के प्रतिनिधि, डीपीएम, डीसीपीएम व अन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

101 टीबी मरीजों को पोषण पोटली भेंट लिया गया गोंद 'इस अवसर पर ट्रस्ट के 25 सदस्यों द्वारा किया गया रक्तदान श

मीरजापुर(एजेंसी। जनपद में 12 दिसम्बर 2024 को लोहंदी कला क्षेत्र अन्तर्गत बसंत बहार लान में इटरनल ग्रेस ट्रस्ट द्वारा 101 टीबी मरीजों को पोषण पोटली भेंट करते हुए गोद लेने एवं अपने 25 ट्रस्ट सदस्यों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन मुख्य अतिथि एडीएम देवेन्द्र प्रसाद सिंह के उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में एडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा उपस्थित मरीजों के बीच कहा गया कि इस रोग से भयभीत होने की अब आवश्यकता नहीं है क्योंकि सरकारी स्तर से हर सम्भव सुविधाएं अब उपलब्ध हो चुकी हैं, बस जरूरत है आप सभी को डॉक्टर के दिए गए सुझाव का पालन करना एवं नियमित दवा लेने वह अपने खान पान पर ध्यान देने की।

उक्त क्रम में जिला क्षयरोग अधिकारी डाक्टर अनिल कुमार ओझा द्वारा आयोजक ट्रस्ट के उपरोक्त कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा गया कि आपका मरीजों एवं समाज के हित में किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणा दायक है, डॉक्टर ओझा द्वारा कहा गया कि सभी के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हर ब्लाक में सरकारी स्तर से सुविधा उपलब्ध है, खास कर टीबी मरीजों के लिए अच्छी दवाएं एवं जांच सुविधा जिले में उपलब्ध है, साथ ही बताया कि टीबी मरीजों को अब नवम्बर 2024 से 1000 प्रति माह उनके खाते में निरू क्षय पोषण योजना के तहत पूरे इलाज अवधि तक दिया जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन कर रहे क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा उपस्थित जनों के बीच टीबी के समस्त लक्षणों से परिचित कराते हुए कहा गया कि आप सभी दवा सेवन में गैप कदापि न करें और जल्द स्वस्थ होकर समाज में अन्य लोगों को भी इस रोग के संदर्भ में दी गई संपूर्ण जानकारी से परिचित कराते हुए देश के प्रधानमंत्री के 2025 तक टीबी मुक्त भारत की कल्पना को साकार करने में अपने स्तर से अहम भूमिका निभाते हुए एक सच्चे भारतीय नागरिक होने का कर्तव्य निभाएं।

ट्रस्ट अध्यक्ष विजय कुमार द्वारा कार्यक्रम के दौरान सभी को आस्वस्थ किया गया कि मेरे स्तर से टीबी मरीजों के हित में यह बीड़ा 2 मार्च 2024 से उठाया है जिसका पालन ट्रस्ट द्वारा हर माह किया जाता रहेगा, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मेरे ट्रस्ट द्वारा आगामी समय में भी लोगों के हित में रक्तदान करने का कार्य जारी रहेगा।

कार्यक्रम में क्षय विभाग से अवध बिहारी कुशवाहा, सावित्री देवी, प्रतिक, आकाश, मनभावन, नीरज के साथ–साथ संतोष यादव ग्राम प्रधान, एवं ट्रस्ट के याकूब मशीह, शिवलाल मौर्य, संतोष कुमार, अरुण पाल, अनीश, कालीचरण, दुर्गा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

महिला अयोग सदस्य प्रियंका मौर्या ने कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

अयोध्या(एजेंसी। राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. प्रियंका मौर्या ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान महिला थाना, महिला कारागार व महिला अस्पताल, आंगनबाड़ी केन्द्र अंगूरीबाग व कस्तूरबा गांधी विद्यालय सोहावल का स्थलीय निरीक्षण किया। महिला थाना के निरीक्षण के दौरान वहां की साफ सफाई एवं रजिस्टर के रख रखाव की व्यवस्था ठीक पायी गयी कुछ अन्य छोटे कमियों के लिए सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके उपरांत सदस्य महिला जिला चिकित्सालय पहुंची, जहां पर कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उनके द्वारा केक काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया साथ ही साथ वहां उपस्थित नवजात कन्याओं को बेबीकिट, डायपर व दूध की बोतल दिया गया। इस कार्यक्रम के दौरान व प्रसन्न दिखायी दिये इसके उपरांत उनके द्वारा वहां मरीजों से मुलाकात कर उनसे वार्ता की गयी तथा साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा गया इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। इसके उपरांत व आंगनबाड़ी केन्द्र अंगूरीबाग पहुंची जहां पर उनके द्वारा बच्चों का अन्नप्रासन कराया गया और साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। वहां पर उनके द्वारा उपस्थित महिलाओं से सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में भी पूछा गया। सभी द्वारा अवगत कराया गया कि संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्र के आवश्यक रजिस्टर, साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी उनके द्वारा देखा गया तथा सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। इसके उपरांत उनके द्वारा कस्तूरबा गांधी विद्यालय सोहावल का निरीक्षण किया गया जहां पर बच्चियों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा गया तथा उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गयी। उनके द्वारा परिसर को भी देखा गया जिसमें साफ सफाई व्यवस्था ठीक पायी गयी तथा अन्य आवश्यक दिशा निर्देश सम्बंधित को दिये गये। इससे पूर्व 11 दिसम्बर की शाम उनके द्वारा कारागार में महिला बंदियों से मिलकर उनका कुशलक्षेम पूछा गया। इस दौरान उनके साथ जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री अश्विनी कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता को जागरूक करते हुए ओटीएस योजना के तहत बकाया बिल जमा करने के बताएं फायदे

लालगंज, मीरजापुर(एजेंसी। स्थानीय क्षेत्र के लहंगपुर विद्युत केंद्र से जुड़े लहंगपुर बाजार में गुरुवार को दोपहर बाद विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार के साथ एसडीओ सुमित कुमार यादव ने लोगों को जागरुक करते हुए ओटीएस योजना के तहत बकाया बिल जमा करने के लिए फायदे बताएं। वहीं पर योजना का अधिकतम लाभ देने के लिए अपील की। एक्सईएन योगेश कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही ओटीएस योजना उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा अवसर है। यह योजना 15 दिसंबर से 31 जनवरी 2023 तक लागू रहेगी। एसडीओ सुमित कुमार यादव ने बताया कि योजना का प्रथम चरण 15दिसम्बर से 31दिसम्बर तक, दूसरा चरण 1जनवरी से 15जनवरी तक, तीसरा चरण 16जनवरी से 31जनवरी तक रहेगी। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। योजना के प्रथम चरण में एक मुश्त भुगतान करने पर उपभोक्ताओं को शत प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

सीओ सीटी के खिलाफ कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मिला डीआईजी से कार्रवाई करने मांग

मीरजापुर(एजेंसी। जिले में कांग्रेस नेताओं के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है. मिर्जापुर के व्यापारी समाज सहित कई संगठनों के बाद पुनः कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने इस बार डीआईजी विंध्याचल परिक्षेत्र से मिलकर सीओ सीटी विवेक जावला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. 12 दिसंबर को पुलिस उपमहानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर को ज्ञापन सौंपकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर घंटाघर नगर पालिका परिषद में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति के पास संभल घटना में पीड़ित लोगों को न्याय व सामाजिक सौहार्द के लिए प्रार्थना के लिए मोमबत्ती जलाकर हम सभी बैठे हुए थे जहां पहुंचे सीओ सिटी एवं शहर कोतवाली प्रभारी, वासलीगंज चौकी इंचार्ज ने उन लोगों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार किया. जो असहनीय ही नहीं निंदनीय भी रहा हैकहां कि इस मामले में ठोस कार्रवाई करते हुए न्याय किया जाएं अशहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक, जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं मीडिया प्रभारी मिन्हाज अहमद छोटे खान, पीसीसी सदस्य रमेश प्रजापति पप्पू, राजधर दुबे, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संजय दूबे, गुलाब चंद पांडे, इश्तियाक अंसारी, राजेंद्र विश्वकर्मा, राम लखन, मास्टर साहब, कपिल सोनकर, अशोक गुप्ता, डॉ दिनेश चौधरी, अनुज मिश्रा, अंकित अग्रहरि सहित संदीप तिवारी इत्यादि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं.

जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेकने का काम करेगी समजावादी मजदूर सभा: अखिलेश चतुर्वेदी

-उमाकान्त पाण्डेय को समाजवादी मजदूर सभा के जिला सचिव मनोनीत किए गये उमाकांत पाण्डेय

अयोध्या(एजेंसी। समाजवादी मजदूर सभा की जिला कमेटी की बैठक पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर जिलाध्यक्ष कैलाश कोरी की अध्यक्षता तथा जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी के संचालन में सम्पन्न हुई बैठक के मुख्य अतिथि सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव रहे। जिला उपाध्यक्ष विश्वनाथ कोरी ने संगठनिक रिपोर्ट पेश किया पर्यवेक्षकध्प्रदेश सचिव प्रभारी अवध जोन अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने हेतु 2027 से पहले पूरे प्रदेश में एक करोड श्रमिकों को जोड़ने का जो लक्ष्य विगत दिनों प्रशिक्षण शिविर में लिया गया था उसके तहत 5 लाख श्रमिकों को संगठन से जोड़ा जा चुका है। शेष का अभियान चल रहा है। जल्द ही उप्र. सरकार द्वारा जो पोर्टल बन्द किया गया है उसके खिलाफ माह फरवरी में विशाल जन आन्दोलन करने का निर्णय आज की बैठक में लिया गया है। जिसके तहत आज से ही आन्दोलन को धार देने के लिए जिला कमेटी अयोध्या कटिबद्ध है समाजवादी मजदूर सभा चित्रकूट वाराणसी मथुरा और आगरा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने का जा रही है। समाजवादी मजदूर सभा 2027 के चुनाव में जनविरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ फेकने का काम करेगी और 2027 में सपा की सरकार बनाने के लिए प्रदेश के सभी मजदूर किसान पूरी तरह से लामबन्द होने शुरू हो गये है आज की बैठक उमाकान्त पाण्डेय को समाजवादी मजदूर सभा का जिला सचिव मनोनीत किया गया है। बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि जिस तरह केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान विरोधी कार्यों में लिप्त है वह किसी से छिपा नही है। जब हारी सरकार थी तो हमने प्रदेश की जनता के हित में तमाम योजनाओं को लागू करने का काम किया है जिसे आम जनता याद कर रही है और निश्चित ही 2027 में उ0प्र0 में सपा की सरकार बनने जा रही है जिससे भाजपा पचा नही रही है। इसी का कारण है कि बीजेपी कुंठित मानसिकता से सरकार चला रही है। अब जनता ऊब चुकी है और इसका खामियाजा योगी सरकार को भुगतना पड़ेगा। बैठक में प्रमुख रूप से अंसार अहमद बब्बन, महेश सोनकर, सुरेन्द्र यादव प्रधान, सहोदरा चौहान, राकेश कुमार कोरी, उमाकान्त पाण्डेय, जय प्रकाश यादव उपाध्यक्ष सपा, राकेश चौहान, माधुरी चौहान, राजकपूर, विन्दा प्रसाद, नन्दकुमार, दिलीप कुमार, धनश्याम मौर्या, शिवचन्द्र, अनिल वर्मा, जंग बहादुर वर्मा आदि लोग सम्मिलित रहे

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धान सत्यापन प्रक्रिया में तकनीकी समस्याओं के कारण किसान परेशान

लालगंज, मीरजापुर(एजेंसी। तहसील परिसर में धान सत्यापन प्रक्रिया में तकनीकी समस्याओं के कारण किसान परेशान हैं। पिछले दो दिनों से सर्वर फेल होने के कारण सत्यापन का कार्य रुक गया है, जिससे किसानों को अपनी फसल विक्रय करने में समस्या आ रही है। सत्यापन स्थल पर भारी भीड़ जमा है, लेकिन कार्य ठप होने से किसानों को वापस लौटना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि ठंड के मौसम में वे कई घंटों तक लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन सत्यापन नहीं हो पा रहा है। एक किसान ने कहा हमने अपनी फसल तैयार की और अब विक्रय के लिए लाए हैं, लेकिन सत्यापन न होने के कारण धान बेचने में समस्या हो रही है।इस समस्या से दर्जनों गांवों के किसान प्रभावित हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सत्यापन प्रक्रिया को ठीक किया जाए ताकि वे अपनी फसल बेच सकें। किसानों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।किसानों ने यह भी कहा कि यदि सत्यापन नहीं हुआ तो धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया रुक जाएगी। जिससे उनकी मेहनत का सही मूल्य नहीं मिल पाएगा। इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की अपील की गई है।

वृद्धाआश्रम में रह रही वृद्धा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

मीरजापुर(एजेंसी। विंध्याचल के पटेंगरा नाला स्थित वृद्धाआश्रम में रह रही एक 65 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो है। जानकारी के मुताबिक जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र निवासी विमला देवी पत्नी सनातन पिछले कुछ वर्षों से विंध्याचल के पटेंगरा नाला स्थित वृद्धाआश्रम में रह रही थीं। वह स्वांस की बीमारी से पीड़ित चल रहीं थी। बताता जा रहा है कि वह मंगलवार को झुलस गई थी जिन्हें आनन–फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल में लाया गया था जहां से उनको बेहतर उपचार के लिए जिला मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जहां उसी दिन रात्रि में उनकी मौत हो गई थी। इस संदर्भ में वृद्धाआश्रम के मैनेजर संजय शर्मा ने बताया कि वह गीजर के गर्म पानी से झुलस गई थीं जिससे उनके बदन पर फफोले पड़ गए थे। जिन्हें उपचार के लिए तत्काल भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोरी की हुई मौत

मीरजापुर(एजेंसीकटरा कोतवाली क्षेत्र के बसही में ट्रेन की चपेट आकर एक किशोरी की मौत हो गई है। जानकारी होते ही परिजनों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक कविता सोनकर 17 वर्ष पुत्री नान्हक सोनकर बसही गुरुवार को सुबह ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाद में उसे जिला अस्पताल में लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

भाजपा राज में शिक्षा के लिए हुए हैं ऐतिहासिक कार्य: साकेन्द्र वर्मा

बड्डूपुर, बाराबंकी (एजेंसी। ग्राम प्रधान व स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों का ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड निदूरा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसवा में मुख्य अतिथि साकेंद्र प्रताप वर्मा, विधायक विधानसभा क्षेत्र कुर्सी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, संतोष कुमार देव पांडेय द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। इस मौके पर बोलते हुए कुर्सी विधायक साकेन्द्र वर्मा ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में सरकार द्वारा कराया गया कायाकल्प एवं शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षित होने के साथ बच्चों को शैक्षिक नवाचारों से जोड़ने के प्रयास को सराहा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सरकार की विभिन्न शैक्षिक योजना डीबीटी, निपुण भारत मिशन पर विस्तृत चर्चा की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। इससे पूर्व भाजपा विधायक ने परिषदीय विद्यालय प्राथमिक विद्यालय सिरसईपुर, प्राथमिक विद्यालय कोढ़वा, प्राथमिक विद्यालय बिजौली, प्राथमिक विद्यालय टिकैतगंज प्रथम का अतिरिक्त कक्षा का शिलान्यास किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी, निंदूरा सुषमा सेंगर ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम में डीबीटी, निपुण भारत मिशन, स्थानीय समुदाय की विद्यालय में भूमिका तथा आकांक्षी विकासखंड के संकेतको की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम कंपोजिट विद्यालय परवर भारी, उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसवा तथा कंपोजिट विद्यालय बहरौली तथा कंपोजिट विद्यालय बजगहनी के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहीं राष्ट्रीय विज्ञान आविष्कार में चयनित टॉप 10 बच्चों राजवीर, दिव्या, उज्जवल कुमार, श्रद्धा सिंह, राखी, दीपाली यादव, साक्षी भारती, रोशनी सौरभ, नीरज कुमार को विज्ञान किट तथा प्रमाण पत्र देकर का सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान अंकित वर्मा, विनोद कुमार मौर्य झरसवां, अमर सिंह बंदगी नगर, हरी ओम मौलाबाद ,प्रतिनिधि दिनेंद्र वर्मा इटौंजा, अंकित गुप्ता पलिया तथा उपस्थित अभय सिंह लिलोली आदि को सम्मानित किया गया तथा सम्मानित अतिथिगण डॉक्टर रामकुमार गिरि, शिव विशाल सिंह,योगेंद्र वर्मा, विनय मौर्य, प्रदीप रावत,अरविंद मौर्य,नितिन मौर्य, आदि को साल भेंट करके सम्मानित किया गया।

ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला में प्रधानों एवं प्रधानाध्यापको ने लिया प्लास्टिक मुक्त का संकल्प

दुद्धी,सोनभद्र(एजेंसी। दुद्धी बीआरसी परिसर में गुरुवार को ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें दुद्धी ब्लॉक के 58 ग्राम प्रधानों तथा 218 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया।कार्यशाला के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी निखिल यादव सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि दुद्धी एसडीएम निखिल यादव ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश है कि ग्राम प्रधान, अभिभावक एवं शिक्षक आपसी समन्वय बनाकर बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार में अपना –अपना योगदान करें।बच्चो में शिक्षा स्तर के सुधार के लिए माता पिता के आलावा ग्राम प्रधान/प्रधानाध्यापक भी ध्यान दे। अभिभावकों की जिम्मेदारी बनती है कि बच्चों को घर भी ध्यान दे कि बच्चे पढ़ रहे है है कि नहीं।उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक हर घर की पहचान बनती जा रही हैं लेकिन प्लास्टिक कितना नुकसान देय हैं इसे हम सब भूलते जा रहें हैं। अब समय आ गया हैं कि सभी लोग प्लास्टिक मुक्त अभियान से जुड़कर प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करें और घर आने वाले प्लास्टिक को बोरे एकत्रित कर ग्राम पंचायत के माध्यम से उसे आरआरसी सेंटर तक भेजवाने का काम करें। खण्ड विकास अधिकारी राम विशाल चौरसिया ने एसडीएम की बातों को दोहराते हुए कहा कि आपसी समन्वय बनाकर गावों को प्लास्टिक मुक्त किया जा सकता हैं। इसके लिए अध्यापको एवं ग्राम प्रधानों को आपस में समन्वय बनाकर गाँव में आ रही प्लास्टिक को एकत्रित करना हैं और उसे ग्राम पंचायत ई रिक्सा से आरआरसी सेंटर तक लाकर अलग–अलग करके रिसाईकिल के लिए भेजेगा। उन्होंने समस्त ग्राम प्रधानों एवं अध्यापको से अपील की हैं कि प्रत्येक विद्यालय एवं प्रत्येक घरों में प्लास्टिक एकत्रित करने के लिए बोरा रखवा दें ताकि प्लास्टिक एकत्रित किया जा सके। इसके अलावा डीपीसी अनिल केशरी, एडीओ पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव,प्रधान संघ पूर्व अध्यक्ष दिनेश यादव, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि बृजेश कुशवाहा सहित अन्य वक्ताओं ने संगोष्ठी को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीआई महेंद्र मौर्य ने किया। इसके पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अतिथियों को बैज अलंकरण एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान एडीओ पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव, सीडीपीओ मनोज सिंह डीपीसी अनिल केशरी, दिनेश यादव, बृजेश कुशवाहा, श्याम बिहारी मुसई राम, मनोज जायसवाल, प्रवीण द्विवेदी, सरजू यादव, ऋषि नारायण, कमल नारायण सिंह, पीयूष, लोकपति वर्मा, राजकमल, नीरज चतुर्वेदी, अवधेश, रेनु, भोला सिंह, नकछेदी यादव, जगतनारायण सहित काफी संख्या में प्रधान एवं प्रधानाध्यापक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अविनाश वाह वाह ने किया।

भाई के संदिग्ध मौत के जांच से असन्तुष्ट, पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

शक्तिनगर(सोनभद्र)(एजेंसी। थाना क्षेत्र के खड़िया में बीते नवम्बर को कोटदार राम जतन गुप्ता की रेललाईन के बीच मिली लहुलूहन शव के मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी हत्या की जांच से मृतक के भाई व खड़िया ग्राम पंचायत के प्रधान ने असंतोष प्रकट करते हुए सोनभद्र पुलिस अधीक्षक से जांच की मांग की है। अपने पत्र में मृतक के भाई ने पोस्ट मार्टम रिपोर्ट पर भी प्रश्न चिन्ह लगाया है।

प्रधान विजय कुमार गुप्ता ने पोस्ट मार्टम, अन्त्येस्टी में जल्दीबाजी के दबाव का आरोप लगाते हुए मामले की जांच विशेष जांच एजेंसी अथवा सी बी आई से कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान ने मृतक के सामान चस्मा,मोबाईल आदि की अभी तक बरामदगी नही होने व इस मामले में प्रभारी निरिक्षक जांच अधिकारी द्वारा कृत कार्यवाई को साझा नही करने का भी आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

एसबीए चुनाव कुल 31 प्रत्याशियों ने किया पर्चा दाखिल

५ अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद पर तीन-तीन प्रत्याशी

५ आज होगा पर्चा की जांच, पर्चा वापसी और वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची का होगा प्रकाशन

सोनभद्र(एजेंसी। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 202425 के लिए हो रहे मतदान के लिए वृहस्पतिवार को अंतिम दिन तक कुल 31 लोगों ने पर्चा दाखिल किया। अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद पर तीन–तीन प्रत्याशी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी और कार्यकारिणी सदस्य 15 वर्ष से नीचे 7 प्रत्याशी हैं। इन्हीं पदों पर फिलहाल चुनाव होगा, क्योंकि शेष पदों पर लगभग निर्विरोध निर्वाचन होना तय है। 13 दिसंबर शुक्रवार को पर्चा की जांच, वापसी और वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची का वितरण, 17 दिसंबर को टेंडर मतदान, 20 दिसंबर को मतदान और 21 दिसंबर को मतगणना होगी। प्रत्याशियों ने संपर्क कर वकील मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट देने का आग्रह किया। जिसकी वजह से चुनावी सरगर्मी तेज हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शशि कुमार मिश्र ने बताया कि के कुल 33 लोगों ने पर्चा लिया था, लेकिन सिर्फ 31 लोगों ने ही पर्चा दाखिल किया है। क्योंकि उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए पुष्पा तिग्गा और संयुक्त मंत्री प्रकाशन के लिए गीता गौर ने पर्चा दाखिल नहीं किया। इस प्रकार से अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी अरुण कुमार मिश्र, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व ओम प्रकाश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए गोविंद प्रसाद मिश्र व शारदा प्रसाद मौर्या, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर प्रदीप देव पांडेय व संजय कुमार पांडेय,उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे अखिलेश कुमार मिश्र व आशुतोष कुमार दुबे, महामंत्री पद के लिए अखिलेश कुमार पांडेय, अरुण कुमार सिंघल व योगेश कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद के लिए आशीष कुमार मिश्र उर्फ मंटू, वंशीधर पांडेय व वीरेंद्र कुमार सिंह, संयुक्त मंत्री प्रशासन अजय प्रकाश मिश्र, संयुक्त मंत्री प्रकाशन शरद चंद्र गुप्ता, संयुक्त मंत्री पुस्तकालय सूरज वर्मा ने पर्चा दाखिल किया है। वही सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के लिए अशोक कुमार मिश्र, पुष्पा तिग्गा, प्रदीप पांडेय, सुनील कुमार, सुशील कुमार चौबे व सेराज अख्तर खां एवं सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के लिए अविनाश रंजन त्रिपाठी, आशीष कुमार पाल, कंचन, प्रमोद कुमार सिंह, रमाशंकर चौधरी, राहुल जैन व श्याम किशोर मिश्र ने पर्चा दाखिल किया है। उन्होंने यह भी बताया कि 13 दिसंबर शुक्रवार को पर्चा की जांच, पर्चा वापसी के साथ ही वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची का वितरण, 17 दिसंबर को टेंडर मतदान, 20 दिसंबर को मतदान और 21 दिसंबर को मतगणना होगी। उधर अध्यक्ष, महामंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया गया। जिसकी वजह से चुनावी सरगर्मी तेज हो गई।

हिण्डाल्को में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आगाज

-ऊर्जा का संरक्षण करके ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है - समीर नायक

रेणुकूट(सोनभाद्र)(एजेंसी। ऊर्जा संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता लाने हेतु प्रत्येक वर्ष दिनांक 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में हिण्डाल्को रेणुकूट प्रबंधन द्वारा दिनांक 12 से 18 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार दिनांक 12 दिसम्बर को संस्थान के कर्मचारियों को ऊर्जा शपथ दिलाकर ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आगाज किया गया। हिण्डाल्को एडमिन विभाग के कॉन्फ्रेंश हॉल में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के विवेक अग्रवाल ने सभी को ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं की जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला तथा क्विज व स्लोगन प्रतियोगिताओं के साथददृसाथ कर्मचारियों के लिए नुक्कड़ नाटक, पेप टॉक, महिलाओं के लिए अवेयरनेस सेशन आदि कार्यक्रमों का वृहद् स्तर पर आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर हिण्डाल्को के क्लस्टर च.आर. हेड जसबीर सिंह ने संस्थान के नव नियुक्त क्लस्टर हेड समीर नायक का गुलदस्ता भेंट करके स्वागत किया तथा ऊर्जा बचत के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए हिण्डाल्को में चल रहे विभिन्न ऊर्जा संरक्षण के प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। कार्यकम में उपस्थित नवनियुकत क्लस्टर हेड समीर नायक ने सभी कर्मचारियों को ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा संरक्षण के प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बड़े स्तर पर ऊर्जा का संरक्षण करके ही पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सकता है जो कि आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रॉसेस में सुधार करके ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा को बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में रिडक्शन प्लांट हेड जयेश पवार ने समीर नायक एवं जसबीर सिंह को एनर्जी सेविंग बैज लगाया तत्पश्चात् सभी कर्मचारियों ने भी एक दूसरे को बैज लगाकर एवं ऊर्जा संरक्षण से सम्बन्धित पॉकेट कार्ड वितरित किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में क्लस्टर हेड एवं क्लस्टर एच. आर. हेड सहित समस्त कर्मचारियों ने ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रेरित करती स्लोगन की तख्ती लगी बैलून उड़ाया और प्लांट के कलाकारों द्वारा लघु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करके सभी को ऊर्जा बचत के उपायों से अवगत कराया।

कार्यक्रम में मुख रूप से सर्वश्री एन एन राय, धर्मेन्द्र प्रधान, एच.आर. सिंह, रवि गुप्ता, राजेश कपूर, उज्जल केश, राजीव झुनझुनवाला, संजीव गुप्ता, यशवंत कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन रिडक्शन प्लांट हेड जयेश पवार के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

ज्ञान की वृद्धि के लिए घटनाओं का करें सूक्ष्म अवलोकन: सत्येन्द्र कुमार

जनपद स्तरीय विज्ञान माडल प्रतियोगिता में बोले डीएम

बाराबंकी (एजेंसी। जिज्ञासा हमारे जीवन मे सीखने की प्रक्रिया को सतत गतिशील रखती है। ज्ञान की वृद्धि के लिए सदैव अपने आस पास की घटनाओं का सूक्ष्म अवलोकन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। किसी भी मॉडल के निर्माण के लिए उसके सभी पहलुओं और सिद्धान्त को समझना आवश्यक है। यह विचार जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की इस जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में 70 विद्यालयों के107 मॉडल प्रदर्शित किए गए। इसके पूर्व जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी जीजीआईसी बाराबंकी की प्रधानाचार्या नन्दिता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी महोदय के द्वारा विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित मॉडल का निरीक्षण भी किया और अनेक मॉडल की सराहना भी की गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों में अपने आस–पास की समस्याओं के निदान के लिए वैज्ञानिक सोच के साथ किये गए प्रस्तुत किए गए विभिन्न मॉडल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा यह विद्यार्थियों की प्रतिभा प्रदर्शित करने का श्रेष्ठ मन्च है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक आशीष पाठक ने कहा कि विज्ञान मात्र किताबो तक सीमित नही है इसको दैनिक जीवन मे घर की दहलीज से लेकर विद्यालय के कक्षा कक्ष तक आसानी से महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस वैज्ञानिक सोच के साथ निर्मित मॉडल के उपयोगिता पर ध्यान देने की बात कही। मॉडल प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के सदस्यों ज्ञान प्रकाश, व्याख्याता मेकेनिकल राजकीय पॉलीटेक्निक हरख, आनंद कुमार यादव प्रवक्ता डायट गनेशपुर , राजकीय पॉलीटेक्निक हरख से साक्षी मिश्रा और कृषि विज्ञान केंद्र हैदरगढ़ के प्रभारी वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ अष्विनी कुमार सिंह द्वारा सभी मॉडल का गहन निरीक्षण एवं प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से मॉडलों का मूल्यांकन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. इसरार, प्रधानाचार्य सुविद्या वत्स, जगदीश प्रसाद, दीपमाला वर्मा, अंजना आर्या, आशुतोष, रविन्द्र राय आदि मौजूद रहे।

समीर ने मारी बाजी

जीआईसी के मो. समीर को एन्टी स्लीप अलार्म के लिए प्रथम स्थान, अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इण्टर कालेज की आकांक्षा सिंह को वायरलेस पावर ट्रांसमिशन के लिए द्वितीय तथा नेशनल इण्टर कालेज, फतेहपुर की संध्या पाल एवं दामिनी यादव को हीड्रोपोनिक्स फार्मिंग के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इनको क्रमशः 5 ,3 तथा 2 हजार रुपये का डमी चेक तथा प्रमाण पत्र तथा मोमेंटो दिया गया। इसी के साथ बी.पी. शुक्ला इंटर कालेज त्रिलोकपुर के मो. वैस एवं लाल बहादुर शास्त्री इण्टर कालेज दरियाबाद के राज वर्मा, अमन को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र, मोमेंटो और एक हजार रुपये की धनाराशि का डमी चेक जिला विद्यालय निरीक्षक के कर–कमलों द्वारा प्राप्त हुआ।

शौच के लिए निकली युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म 'मुकदमा दर्ज करने के बजाए लोकलाज का हवाला दे पुलिस कर रही हीलाहवाली

'पिता ने पुलिस अधीक्षक से मुख्यालय पहुंचकर लगाई कार्रवाई की गुहार

मीरजापुर(एजेंसी। सरकार की लाख हिदायतों, सख्ती के बाद भी महिला हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. दबंग–सरहंग किस्म के लोगों तथा मनचलों का खौफ न तो थम रहा है ना ही इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है. जिसका असर यह है कि बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं. ऐसा ही एक ताजा मामला मिर्जापुर जिले का सामने आया है, जहां बेटी के साथ हुएं सामूहिक दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई की खातिर पिता दर–दर भटकने को विवश हैं तो वहीं इलाकाई पुलिस लोकलाज का दिलासा दिलाते हुए मामले में पर्दा डालने में जुटी हुई है. ऐसी स्थिति में थक–हार कर पीड़ित पिता दुष्कर्म की शिकार बेटी के साथ जिला मुख्यालय पहुंच कर जिले के उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की गुहार लगाई है.

मिर्जापुर जिले के जिगना थाना क्षेत्र अंतर्गत दुबहां गांव निवासी पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर संपूर्ण घटनाक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 08 दिसंबर 2024 की रात्रि में तकरीबन 11–12 बजे के आस–पास उसकी 21 वर्षीया बेटी घर से बाहर शौच के लिए निकली थी, कि तभी उसी के गांव के निवासी अरविन्द कुमार बिन्द पुत्र गोपाल बिन्द व दिलीप कुमार पुत्र सिपाही लाल जो दबंग किस्म के लोग हैं, उसकी लड़की का मुंह दबाकर, घसीटकर एकान्त में अपने कमरे में ले गये और उसको भद्दी–भद्दी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दोनों ने मिलकर जबरियां बारी–बारी से शारीरिक सम्बन्ध बनाये व धमकी दिये कि तुम इस घटना के बारे में किसी से कुछ बताओंगी तो जो भी तुम्हारी मदद करेगा उसे भी नही छोड़ेंगे. आरोप लगाया कि लड़की के मुंह पर गन्धक पाउडर सुघांकर उसको बेहोश करके मोटर साईकिल पर बैठाकर बेहोशी की हालत में कहीं ले जा रहे थे, जब लड़की को होश आया तो वह पुनः अपनी जान बचाने के लिए शोर मचाने लगी. चूंकि रात्रि होने के कारण कोई आस–पास में नहीं था, परन्तु बरवा रोड, बसैनपुर गांव के आस–पास बस्ती होने पर लड़की को गाड़ी से धकेल कर सभी भाग गये थे. जहां से लड़की रोते बिलखते हुए किसी तरह से अपने ननिहाल ग्राम बसैनपुर पहुंची. इधर घर–परिवार वाले भी उसकी तलाश रात में ही घर व आस–पास में कर रहे थे व फोन के माध्यम से भी पता लगा रहे थे. खोजबीन करते हुए सुबह हो चुकी थी. सुबह होने पर लड़की के बारे में बसैनपुर उसकी ननिहाल से फोन आया तो लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन जैसे ही सम्पूर्ण घटनाक्रम पता चला है वैसे ही परिवार वालों पर मानों वज्रपात हो गया. बेटी के साथ हुए घटनाक्रम से सभी सकते में पड़ गए थे.

परिजनों के मुताबिक उनकी लड़की ने अपने साथ हुए घटनाक्रम के बारे बिलखते हुए सारी बाते बतायी है, जिसे सुनकर बहुत बड़ा झटका लगा है. घटना के सदमें से लड़की की अचानक तबियत खराब होने तथा बार–बार बेहोश हो जाने से परिजन ने आनन–फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी है. आरोप है कि घटना के बावत थाना जिगना पर 10 दिसंबर 2024 को सूचना दे कर मुकदमा कायम कर कार्रवाई की गुहार लगाई गई तो, जिगना थाना पर हल्का दरोगा व महिला कास्टेबल कि मौजूदगी में लड़की से बयान लिये जाने के पश्चात आश्वासन दिया गया कि सभी आरोपियों को पकड़ कर लायेंगे समझौता करा देंगे. समझौता नहीं करोगे तो इसमें तुम्हारी ही बदनामी होगी. जिसे सुनकर काफी गहरा आघात लगा है,ऐसा लगता है कि पुलिस आरोपियों को बचाते हुए अपराध को बढ़ावा देना चाहिए है. मजे की बात है कि शिकायत के दो दिन बीत गये अभी तक कोई कार्यवाही थाना जिगना पर नहीं हो पाई है. ऐसे में पीड़ित पिता ने बेटी को साथ लेकर जिला मुख्यालय पहुंच कर

पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपकर थानाध्यक्ष जिगना को निर्देशित करते हुए उक्त प्रकरण के बावत रपट दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने की गुहार लगाई है.

कांग्रेस संविधान द्वारा गारंटीकृत आरक्षण की सुरक्षा के लिए है कटिबंध-आशु

सोनभद्र(एजेंसी। घोरावल विधानसभा के घोरावल ब्लाक में परासी ग्राम में कांग्रेस पार्टी द्वारा 26 नवंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान 'संविधान रक्षक अभियान' को लेकर आम जनमानस के बीच में जाकर इसकी चर्चा की और साथ ही लोगों के अधिकार, कर्तव्यों के प्रति उनको जागरुक किया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार कहा जा रहा है कि लोगों को जो संविधान के द्वारा गारंटीकृत आरक्षण की सुविधा प्रदान की गई थी उसको लेकर कांग्रेस पार्टी कटिबंध है कि उसकी गारंटी लोगों को मिलना चाहिए, पार्टी ने कहा है कि पार्टी लगातार जातिगत जनगणना के मुद्दे को उठा रही है और आगे भी उसको उठाती रहेगी लोगों का जो हक है वह दिलाने का काम पार्टी ने पहले भी किया है और आगे भी करेगी। आशु दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार लोगों की रक्षा की, हितों की ,अधिकारों की, व्यवस्थाओं की गारंटी की बात करती रहती है और उसकी लड़ाई भी लड़ने का काम कांग्रेस पार्टी करती है इसलिए कांग्रेस पार्टी द्वारा इस अभियान का नाम भी 'संविधान रक्षक अभियान' रखा गया है।

कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि आरक्षण प्रणाली और उनके प्रति भेदभाव पूर्ण विचारधारा पर कोई भी सामने आएगा या उस पर हमला करेगा तो हम पीछे नहीं हटेंगे और लोगों के विरुद्ध किए गए कृत्यों का जवाब देने का भी कार्य आममानस के सहयोग से करेंगे। न्याय पंचायत अध्यक्ष परासी दुबे बुल्लू कोल ने कहा कि दलितो का अधिकार कांग्रेस पार्टी ने कभी नहीं छीना है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा जो संविधान बनाया गया है उस संविधान की पूजा हम सब करते हैं और कांग्रेस पार्टी हमेशा दलितों के साथ खड़ी रहती है। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में श्रीकांत मिश्रा,दुलरी भारती,शिला भारती, रंगीता भारती, उर्मिला देवी, रियाजुल हसनएल, जोखन भारती, जगजीवन भारती, रामविलाश भारती, बनारसी भारती, कालिक भारती, श्याम बिहारी भारती, रोहित भारती, बबलु भारती, मुन्ना भारती, रासमसुरत भारती, मुनौवर हुसैन, महेश भारती रहे।

ठण्ड से बचाव के लिए करे गये हैं बेहतर इंतजाम: आलोक तिवारी

हैदरगढ़, बाराबंकी (एजेंसी। नगर की सीमा में प्रवेष करने वाले बाहरी नागरिकों को रुकने के लिए नगर पंचायत की तरफ से कई सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। जिसके लिए रैन बसेरे तो बनाये ही गये हैं साथ ही में ठण्ड से बचने के लिए अलाव की व्यवस्था नगर के प्रमुख चौराहों पर करवायी जा रही है। उक्त बात गुरुवार को बस स्टेषन के पास बनाये गये रैन बसेरे के उद्घाटन के दौरान नगर पंचायत चेयरमैन आलोक तिवारी ने कही। श्री तिवारी ने आगे कहा कि मेरा प्रयास है कि नगर पंचायत हैदरगढ़ को आदर्ष नगर पंचायत का दर्जा दिलवा सकूं। नगरवासियों को अपने कामों के लिए कहीं भटकना न पड़े इसके लिए मैं प्रतिदिन नगर पंचायत कार्यालय में बैठ करके नगरवासियों की समस्याओं का निदान करवाता हूं। उन्होने आगे कहा कि नगर की पेयजल व्यवस्था हो या सफाई व्यवस्था हो सभी व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए मेहनत की जा रही है। श्री तिवारी ने नगर में स्थित दुकानदारों और पटरी दुकानदारों से अपील करी है कि नगर का कूड़ा सड़को पर न डालें नगर पंचायत की गाड़ियों में कूड़ा डाले या फिर नगर पंचायत द्वारा लगवाये गये कूड़े के डिब्बों में ही कूड़ा फेंके। नगर साफ रहेगा तो बीमारियां भी कम होंगी। इससे पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन हैदरगढ़ आलोक तिवारी ने फीता काट करके रैन बसेरे का उद्घाटन किया। इस मौके पर मो. इषहाक, सोनू द्विवेदी, नवनीत मिश्रा, स्कंद तिवारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पात्र होने के बावजूद नही मिल रहा आवास

दरियाबाद बाराबंकी। विकास खण्ड पूरेडलई की ग्राम पंचायत विद्यागनर निवासिनी वृद्धा लहषुन निषा शौचालय और आवास के लिए दर–दर की ठोकरे खा रही है। पात्रता होने के बावजूद भी ब्लाक के विभागीय अधिकारी कोई कार्यवाही नही कर रहे हैं। पीड़िता ने प्रदेष के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगायी है। जानकारी के अनुसार, विकास खण्ड पूरेडलई की ग्राम पंचायत विद्या नगर की वृद्ध महिला लहषुन निषा का आरोप है कि मुझे कोई भी सरकारी योजना का लाभ नही मिला है जबकि पात्रता सूची में मैं पूरी तरह से आती है। इस सम्बन्ध में पीड़िता ने कई बार खण्ड विकास अधिकारी को षिकायती पत्र देकर जांच करके प्रधानमंत्री आवास और शौचालय दिए जाने की मांग की। लेकिन किसी भी अधिकारी ने मेरी फरियाद नही सुनी है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर सपा की हार के बाद अब आजम की नाराजगी

अजय कुमार ।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए।जेल जाने से पहले तक समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की गिनती यूपी के बड़े मुस्लिम नेताओं के रूप में होती थी। मुलायम सिंह के वह सबसे खास हुआ करते थे। आजम के सहारे ही मुलायम सिंह मुस्लिम वोटरों को लुभाते थे। खासकर पश्चिमी यूपी में तो सपा के लिये आजम की राह पर चलना ही सबसे आसान तरीका समझा जाता था। सत्ता में रहते अखिलेश ने भी आजम को महत्व दिया, लेकिन योगी सरकार के आने के बाद आजम खान पर जब मुसीबतों का पहाड़ टूटा तो अखिलेश ने आजम को एक तरह से अकेला ही छोड दिया। जब तमाम नेता आजम से मिलने जेल पहुच जाया करते थे तब अखिलेश के मन में सीतापुर जेल में बंद अपने इस मुस्लिम नेता के प्रति वफादारी का भाव नहीं दिखा। यहां तक की अखिलेश द्वारा आजम के गृह जिला रामपुर के बारे में भी सियासी फैसले में उन्हें अनदेखा किया जाने लगा। इतना सब होते हुए भी आजम ने अखिलेश के खिलाफ कभी सार्वजनिक मंच से कोई बयान तो नहीं दिया,लेकिन दोनों नेताओं के बीच दूरियां सबको दिखने लगी थीं। जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम का सब्र जबाव दे गया। क्योंकि अखिलेश की अनदेखी ने आजम के गृह जनपद रामपुर के साथ–साथ पश्चिमी यूपी में उनके सियासी अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जिस तरह से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था,उसके बाद आजम की नाराजगी सपा प्रमुख के लिये मुसीबत का सबब बन सकता है। मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन खिसकती देख आजम ने अब दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जेल में बंद अपने इस नेता को महत्व नहीं दिया तो अब आजम खान नई राह भी पकड़ सकते हैं, लेकिन आजम के लिये अलग होने की राह इतनी आसान नहीं है। क्योंकि इस बढ़बोले नेता को कोई बड़ी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती है। वैसे भी संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खां ने इंडिया गठबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिये लोगों के सामने रखा है। आजम के हवाले से पत्र में इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा है कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बर्बादी पर इंडिया गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा।बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। सपा सूत्र बताते हैं कि रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाईं। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई। बहराल, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद ही आजम खान पर सियासी ग्रहण छाया हुआ है। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान जेल में नहीं बल्कि सजा होने के चलते अपनी–अपनी सदस्यता भी गंवा चुके हैं, इसके अलावा उपचुनाव में रामपुर और स्वार टांडा सीट भी आजम परिवार के पकड़ से बाहर निकल चुकी है। आजम खान के समर्थकों को भी लगता है कि सपा और अखिलेश यादव ने उनकी लड़ाई को मजबूती से नहीं लड़ा। इसके अलावा आजम खान की मर्जी के बगैर रामपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतारा था, जितने जीत के बाद से आजम खान पर ही निशाना साधा था। जबकि जेल में बंद आजम खान से लोकसभा चुनाव के बाद से सपा का कोई बड़ा नेता मिलने नहीं गया। कुंदरकी में उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने जरूर रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात की थी, लेकिन जिस तरह आजम ने संभल के बहाने रामपुर और मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसके चलते माना जा रहा है कि यूपी की सियासत में कोई नई खिचड़ी पक रही है।सबसे खास यह है कि अखिलेश यादव अपने इस मुस्लिम नेता को वैसे नहीं 'पचा' पा रहे हैं जैसे उनको नेताजी मुलायम सिंह यादव हैंडिल कर लिया करते थे। यह सच है कि कई बार आजम और मुलायम के रिश्ते की खटास देखने को मिल जाती थी, लेकिन दोनों एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंच से कुछ नहीं कहते थे। मगर सपा के मौजूद नेतृत्व और आजम के बीच कई बार नाराजगी की खबर सामने आई है। आजम कहा भी करते हैं कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव रिश्तों को निभाना काफी अच्छी तरह जानते थे। यही कारण था कि चाहे बेनी प्रसाद वर्मा हों या आजम खान, टकराव के बाद जब वे पार्टी से अलग हुए तो उन्होंने मुलायम के खिलाफ खूब कड़वी बात की। हालांकि, मुलायम ने कभी भी इन नेताओं के खिलाफ कोई बड़ा बयान नहीं दिया। आजम खान समर्थकों की ओर से अब अल्पसंख्यक हितों के मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल गहराने लगे हैं। यूपी चुनाव 2022 के दौरान जब सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अखिलेश नहीं चाहते, आजम खान जेल से बाहर आएं। इस पर आजम समर्थकों ने सहमति जाहिर की थी। यूपी में 2017 में सत्ता परिवर्तन के साथ आजम के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई थी। लेकिन, अखिलेश यादव ने कभी भी उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का खुलकर विरोध नहीं किया।गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय सपा का कोर वोटबैंक माना जाता है, लेकिन उस पर नजर कांग्रेस से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक की है। मुस्लिम मतों के सहारे ही चंद्रशेखर आजाद नगीना सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहे हैं, जिसके बाद से उनकी नजर दलित–मुस्लिम समीकरण बनाने की है। इसी मद्देनजर चंद्रशेखर आजम खान से लेकर मौलाना अरशद मदनी और मुस्लिम उलेमाओं व नेताओं के साथ अपनी सियासी केमिस्ट्री बनाने में जुटे हैं। ऐसे में आजम खान का संभल के बहाने मुस्लिम सियासत का मुद्दा उठाया है, उससे सपा की सियासी बेचैनी बढ़नी लाजमी है। आजम ने यदि अखिलेश से दूरी बना ली तो सपा के मुस्लिम वोट बैंक पर भी इसका असर पड़ सकता है। क्योंकि आज भी आजम की आवाज मुसलमानों के बीच गंभीरता से सुनी–समझी जाती है।

सम्पादकीय

भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष

संसद के शीतकालीन सत्र में हर दिन राजनीति का नया रंग देखने को मिल रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने किसी हाल में अडानी का मुद्दा नहीं छोडने का फैसला किया है तो दूसरी ओर सत्तारुढ़ दल यानी भाजपा भी निर्णायक लड़ाई की तैयारी में है। भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष यह है कि लोकसभा में यानी जनता के सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी श्गद्दार' हैं, सबसे बड़े विपक्षी पार्टी कांग्रेस की संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी भी देश विरोधी हैं और अमेरिका दुश्मन देश है। भाजपा ने संसद की बहस और चर्चाओं के साथ साथ प्रेस कांफ्रेंस करके भी यह नैरेटिव स्थापित किया है। जब भाजपा के सांसदों ने आरोप लगाए तब भी ये आरोप गंभीर थे लेकिन अब तो केंद्र सरकार के मंत्रियों ने भी इन आरोपों को दोहराया है। तभी यह सवाल गंभीर हो गया है कि क्या सचमुच नेता प्रतिपक्ष श्गद्दार' या देश विरोधी हैं और क्या सचमुच अमेरिका भारत का दुश्मन है?पहले अमेरिका पर लगाए गए आरोपों की चर्चा करें तो उसमें कई बातों का खुलासा हो गया है। भाजपा के सांसदों ने जब कहा कि ओसीसीआरपी यानी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल है और इस संस्था को अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस और अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग मिलती है तब अमेरिका ने इस पर अपना पक्ष रखा था। अमेरिका ने कहा था कि वह मीडिया की स्वतंत्रता का चौंपियन रहा है और इस तरह के किसी भी संगठन पर दबाव नहीं बनाता है। इतना ही नहीं अमेरिका ने इसे निराशाजनक बताया था कि भारत में सत्तारूढ़ दल इस किस्म के आरोप लगा रहा है। अब सवाल है कि भाजपा ने ये आरोप किस आधार पर लगाए थे? भाजपा का आरोप फ्रांस के मीडिया समूह श्मीडियापार्ट' की एक रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें कथित तौर पर यह कहा गया था कि ओसीसीआरपी को अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग है। अब श्मीडियापार्ट' ने जवाब दिया है और कहा है कि भारत में सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा श्फेक न्यूज' फैला रही है। उसका कहना है कि उसकी रिपोर्ट को गलत तरीके से उद्धत किया जा रहा है, अपने मनमाफिक राजनीतिक नैरेटिव सेट करने के लिए।

अमेरिका और फ्रांस के मीडिया समूह दोनों के जवाब के बाद भी भाजपा ने आरोप लगाना बंद नहीं किया है। भाजपा के सांसद अब भी दावा कर रहे हैं कि अमेरिका की फंडिंग से चल रहा एक संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। अब सवाल है कि उस संस्था यानी ओसीसीआरपी की भारत विरोधी गतिविधियां क्या हैं? ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने पेगासस के इस्तेमाल की जानकारी दी थी और एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर शेयर बाजार में जोड़तोड़ का आरोप लगाया था। यही बात हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी कही थी। सोचें, इसमें से कौन सी बात भारत विरोधी हो गई? अगर स्वतंत्र पत्रकारों के किसी समूह ने जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की रिपोर्ट दी या किसी कंपनी विशेष पर जोड़तोड़ का आरोप लगाया तो इसे देश विरोधी कैसे माना जा सकता है? लेकिन भाजपा का कहना है कि यह संस्था भारत के आर्थिक विकास को रोकना चाहती है। घूमा फिरा कर यह बात भी कही जा रही है कि राहुल गांधी के इशारे पर यह काम हो रहा है।

इसका मतलब है कि राहुल गांधी इतने पावरफुल हैं कि वे अमेरिका जाते हैं और जॉर्ज सोरोस व अमेरिकी विदेश विभाग को इसके लिए तैयार करते हैं कि वे भारत विरोधी गतिविधियां चलाएं? भारत में आर्थिक विकास को बाधित करें? अगर ऐसा है तो फिर पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री का डंका किस बात का बज रहा है? फिर तो डंका राहुल गांधी का बज रहा है जो वे दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश से मनचाहा काम करवा रहे हैं! फिर जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप किस बात के प्रधानमंत्री के दोस्त हैं, जो उनके देश से राहुल गांधी के कहने पर भारत विरोधी गतिविधियां चल रही हैं? एक बड़ा सवाल यह भी है कि अमेरिका को दुश्मन बता कर भारत को क्या हासिल होगा? पिछले कई दशकों से अमेरिका के साथ भारत के संबंध स्थिर और दोस्ताना रहे हैं। अगर इतना दोस्ताना नहीं भी होता तो किसी स्वतंत्र संस्था की रिपोर्ट के आधार पर किसी देश को दुश्मन या विरोधी बताना कोई अच्छी कूटनीति नहीं होती है। तभी यह सवाल भी है कि अमेरिका पर हमला सिर्फ ओसीसीआरपी में उसकी कथित फंडिंग की वजह से है या कहीं इसके पीछे अमेरिकी अदालत द्वारा गौतम अडानी व सागर अडानी सहित आठ लोगों को आरोपी बनाने, अमेरिकी अखबारों में भारत के बड़े नेताओं के नाम आने और अमेरिकी एजेंसियों द्वारा भारतीय नागरिकों को मोस्ट वांटेड और भगोड़ा बताने का भी हाथ है? जो हो यह एक गंभीर मामला है और सत्तारूढ़ दल को सोच समझ कर इस मामले में आरोप लगाने चाहिए।

दूसरी बात लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी को देश विरोधी बताने का है। राहुल को श्गद्दार' बताने का आधार यह है कि वे अमेरिका जाते हैं तो इल्हान उमर और कुछ अन्य भारत विरोधी लोगों से मिलते हैं और सोनिया गांधी इसलिए देश विरोधी हैं क्योंकि वे फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक की सह अध्यक्ष हैं। यह संस्था कश्मीर को कथित तौर पर भारत से अलग करने की बात करती है। सोचें, नेता प्रतिपक्ष का पद एक संवैधानिक पद होता है और उस पद पर बैठे एक निर्वाचित नेता को भाजपा के सांसद संबित पात्रा ने कुछ लोगों से उनकी मुलाकातों के आधार पर श्शीर्ष स्तर का श्गद्दार' कहा। इससे पहले राहुल गांधी पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार, अक्षमता आदि के आरोप लगते थे।

भव्य होगी प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ

अयोध्या राम मंदिर में रामलला के स्थापित होने के 1 साल होने वाले है। ऐसे में राम नगरी में महा उत्सव की तैयारी चल रही है। वहीं, राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने बताया कि प्रभु राम के मंदिर में विराजने के पहले वर्ष गांठ को राम मंदिर ट्रस्ट प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाएगा जहां तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस बीच मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के मंदिर में कई देवी देवताओं के मंदिरों का निर्माण भी किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चम्पत राय ने बताया कि अयोध्या में बन रहा राम मंदिर पूरे समाज और समाज के सभी वर्गों का मंदिर है। उन्होंने बताया कि मंदिर की बाहरी दीवार करीब 14 फीट चौड़ी रहेगी और दीवार के आसपास कई मंदिरों का निर्माण अभी होना है। ऐसे में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी की गई है, जो एक दिन पहले शुरू होगा और एक दिन बाद तक चलेगा। मंदिर में 10 जनवरी से भगवान के प्राण प्रतिष्ठम महोत्सव के वार्षिक उत्सव शुरू हो जाएंगी। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव इस बार 11 जनवरी को होगा क्योंकि द्वादशी तिथि उसी तारीख को पड़ रही है।

मंदिर और मूर्तियों की नगरी अयोध्या में एक बार फिर महा उत्सव की तैयारी चल रही है। यह महा उत्सव प्रभु राम के भव्य मंदिर में एक साल विराजमान होने के मौके पर मनाया जाएगा। प्रभु राम बीते 22 जनवरी को भव्य मंदिर में विराजमान हुए थे और विराजमान होने को एक साल पूरे होने वाले हैं। इसके उपलक्ष्य में राम मंदिर ट्रस्ट हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रभु राम के विराजमान होने की पहली वर्षगांठ को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारी में जुट गया है। अभी कुछ दिनों पहले ही अंबाला सिटी के सेक्टर–7 नीलकंठ मंदिर में विश्व हिंदू परिषद के विभाग कार्यालय में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सचिव व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या के सचिव चंपत राय पहुंचे थे। उनके पहुंचने पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। उनके साथ ही विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम भी अंबाला पहुंचे। इस मौके पर कार्यक्रम भी रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7.30 बजे हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ चंपत राय के दीप प्रज्वलन व स्वस्ति मंत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम चंपत राय का सम्मान करते हुए जिला संगठन मंत्री महेंद्र शर्मा ने उन्हें पगड़ी पहनाई। इस मौके पर मुख्य वक्ता चंपत राय ने बताया कि अयोध्या में बन रहा राम मंदिर पूरे समाज और समाज के सभी वर्गों का मंदिर है। उन्होंने बताया कि मंदिर की बाहरी दीवार करीब 14 फीट चौड़ी रहेगी और दीवार के आसपास कई मंदिरों का निर्माण अभी होना है। इसमें लक्ष्मण जी का मंदिर, ऋषि वशिष्ठ ऋषि अगस्त्य, अहिल्या जी, शबरी मंदिर व निषाद राज मंदिर रहेंगे।हिंदी तिथि के अनुसार इस साल 11 जनवरी को पौष माह की द्वितीया तिथि पड़ रही है. इस तिथि के दिन साल 2024 में प्रभु राम अपने मंदिर में विराजमान हुए थे, जिसके बाद अब अगले साल 10 जनवरी 11 जनवरी और 12 जनवरी इन तीन दिनों तक अयोध्या में प्रभु राम का पहली वर्षगांठ मनायी जाएगी। ऐसे में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी की गई है, जो एक दिन पहले शुरू होगा और एक दिन बाद तक चलेगा. ऐसे में 10 जनवरी से भगवान के प्राण प्रतिष्ठम महोत्सव का वार्षिक उत्सव शुरू किया जाएगा, जिसमें रामाचा का पाठ वेद का पारायण रामचरितमानस का पाठ यज्ञ अलग–अलग तरीके के धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

भगवान के भव्य मंदिर में विराजमान होने के इस वार्षिक उत्सव को ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जाएगा। इतना ही नहीं खास बात यह भी है कि इस तीन दिवसीय महा उत्सव में आम श्रद्धालु भी कैसे शामिल हों। इस पर राम मंदिर ट्रस्ट विचार विमर्श भी कर रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने बताया कि प्रभु राम के मंदिर में बिराजने के पहले वर्ष गांठ को राम मंदिर ट्रस्ट प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाएगा। इसके लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे। इन तीन दिनों में यज्ञ होगा। साथ ही वेद पाठ और रामचरितमानस का पाठ होगा। तत्पश्चात प्रभु राम का अभिषेक किया जाएगा। इसलिए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की भव्य तैयारी की गई है, जो एक दिन पहले शुरू होगा और एक दिन बाद तक चलेगा। ऐसे में 10 जनवरी से भगवान के प्राण प्रतिष्ठम महोत्सव का वार्षिक उत्सव शुरू किया जाएगा, जिसमें रामाचा का पाठ वेद का पारायण रामचरितमानस का पाठ यज्ञ और अलग–अलग तरीके के धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

भगवान के भव्य मंदिर में विराजमान होने के इस वार्षिक उत्सव को ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जाएगा। इतना ही नहीं खास बात यह भी है कि इस तीन दिवसीय महा उत्सव में आम श्रद्धालु भी कैसे शामिल हों। इस पर राम मंदिर ट्रस्ट विचार विमर्श भी कर रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने बताया कि प्रभु राम के पहले वर्ष गांठ को राम मंदिर ट्रस्ट प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाएगा। इसके लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधारेंगे। विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे। तीन दिनों यज्ञ होगा। साथ ही वेद पाठ और रामचरितमानस का पाठ होगा जहां प्रभु राम का अभिषेक किया जाएगा। इसलिए विशेस व्यवस्था करनी होगी।

रामनगरी अयोध्या आने वाले राम भक्तों को अयोध्या विकास प्राधिकरण ने एक और सुविधा दी है। दरअसल, अयोध्या में आस्था की सरयू में डुबकी लगाने के लिए एक तरफ जहां लाखों लोग रोज पहुंच रहे हैं, तो दूसरी तरफ विज्ञान के जरिए पर्यटकों को रामनगरी और रामचरित्र को दिखाकर देश भर में पर्यटन की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। अयोध्या के हनुमानगढ़ी पर दुर्लभ दर्शन केंद्र बनाए गए हैं जहां अयोध्या के मठ मंदिरों समेत भगवान श्री राम के चरित्र और उनके वन गमन की 3डी डॉक्यूमेंट्री चलाई जा रही है। इस डिजिटल प्वाइंट का उद्देश्य है कि भगवान के दुर्लभ दर्शन को श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जा सके। इतना ही नहीं इस वर्चुअल डिवाइस के माध्यम से श्रद्धालु एक ही जगह बैठकर अयोध्या के मठ मंदिर समेत देश भर के प्रसिद्ध मंदिर का दर्शन भी कर सकेंगे। इसके साथ ही 10 मिनट के एपिसोड में ऐसा प्रतीत होता है कि हम उस जगह पर खुद मौजूद हैं जहां का दृश्य दिखाया जा रहा है। दुर्लभ दर्शन केंद्र के प्रोपराइटर हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या में दुर्लभ दर्शन केंद्र को संचालित किया जा रहा है, जिसमें पिछले एक सप्ताह से यहां पर टेस्टिंग चल रही थी. इसके अलावा बीआर डिवाइस के माध्यम से अयोध्या में एक ही जगह पर बैठकर देश के कई मठ मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। इसमें अभी फिलहाल राम वन गमन पथ अर्थात् प्रभु राम 14 वर्ष के वनवास में जहां–जहां गए थे, उस जगह को दिखाया जा रहा है। इतना ही नहीं आने वाले समय में हम अयोध्या समेत देशभर के मठ मंदिरों का दर्शन कराएंगे। इसके लिए 150 रुपए तक का शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा। इस प्रकार प्रभु श्रीराम की नगरी विश्व हिंदू तीर्थ स्थल बनने जा रही है। ¼fgQ½

महंगाई नियंत्रण के सब उपाय फेल

देश में खुदरा वस्तुओं की कीमत में पिछले तिमाही में काफी इजाफा हुआ है। सरकार के कीमत नियंत्रण के तमाम उपाय धरे रह जाते है लेकिन महंगाई थमने का नाम नहीं लेती। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की कोशिश है कि खुदरा महंगाई को चार फीसद से नीचे लाकर स्थिर किया जा सके, मगर तमाम कोशिशों के बावजूद इस पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। महंगाई के रुख को देखते हुए ही एक बार फिर से रिजर्व बैंक ने रेपो दर में बदलाव नहीं किया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की ताजा घोषणा में रेपो रेट को लगातार 11वीं बार 6.50 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वैश्विक और घरेलू आर्थिक स्थितियां चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस फैसले को प्राइस स्टेबिलिटी और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रतिबद्धता बताया था। अब 11 दिसम्बर से संजय मल्होत्रा ने रिजर्व बैंक के नये गवर्नर का दायित्व संभाला है।

हालांकि रेपो रेट को स्थिर रखने और कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) में कटौती जैसे कदम यह दशति हैं कि आरबीआई मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखते हुए आर्थिक विकास को गति देने की रणनीति पर काम कर रहा है। दरअसल सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई 2 फीसदी के घट–बढ़ के साथ 4 फीसदी पर रखने का जिम्मा दे रखा है। आरबीआई के लिए चिंता की सबसे बड़ी बात खाद्य मुद्रास्फीति है, जो पिछले कई महीनों से नीचे आने का नाम नहीं ले रही है। यही वजह है कि आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती से अभी के लिए परहेज किया। अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.21 फीसदी पहुंच गई यानी आरबीआई की सहनशक्ति के बाहर है। वर्तमान में महंगाई दर को संतुलित बनाए रखना आरबीआई की प्राथमिकता है। एमपीसी ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में महंगाई दर 5.7 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में रेपो रेट को स्थिर रखने से महंगाई के दवाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

वैश्विक अनिश्चितताओंऔर आपूर्ति श्रृंखला के व्यवधानों के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखना आवश्यक है। रेपो रेट स्थिर रहने से बाजार में अनावश्यक अस्थिरता नहीं आएगी। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा था कि प्राइस स्टेबिलिटी क्रय शक्ति को प्रभावित करती है। रेपो रेट में बदलाव न करके आरबीआई यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं और व्यवसायों को वित्तीय स्थिरता का लाभ मिले। सीआरआर (कैश रिजर्व रेश्यो) वह प्रतिशत है, जो बैंकों को अपनी कुल जमा का एक हिस्सा आरबीआई के पास रिजर्व के रूप में रखना होता है। इस बार आरबीआई ने सीआरआर में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर इसे 4 प्रतिशत कर दिया है। सीआरआर में कटौती से बैंकों के पास अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी, जिससे वे अधिक ऋण प्रदान कर सकेंगे। लिक्विडिटी बढ़ने से बैंकों को उपभोक्ताओं और व्यवसायों को कर्ज देने में आसानी होगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को कर्ज सुलभ होगा, जो रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

आरबीआई की अन्य घोषणाओं में स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) को 6.25 प्रतिशत पर स्थिर रखना और बैंक रेट व मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) को 6.75 प्रतिशत पर बनाए रखना शामिल है। ये घोषणाएं मौद्रिक नीति की स्थिरता और विकास के प्रति आरबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 5 प्रतिशत से नीचे रहने की संभावना है। वित्त वर्ष 2025–26 के लिए यह लिए यह अनुमान 4 प्रतिशत के करीच रखा गया है। यह दिखाता है कि आरबीआई का लक्ष्य है कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहे और आम जनता पर इसका दबाव कम हो। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा था कि सस्टेनेबल प्राइस स्टेबिलिटी आर्थिक विकास की नींव को मजबूत कर सकती है। यह दृष्टिकोण दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है। आरबीआई की मौद्रिक नीति वर्तमान में स्थिरता और संतुलन की ओर उन्मुख है। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में उतार–चढ़ाव, तेल की कीमतों में अस्थिरता, और मुद्रा बाजार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, आरबीआई अपनी नीतियों को संतुलित कर रहा है। रेपो रेट स्थिर रखने और सीआरआर में कटौती जैसे कदम अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाते हैं। रेपो रेट स्थिर रहने से होम लोन और अन्य ऋणों की ईएमआई पर कोई अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा, जो उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात है। सीआरआर में कटौती से बैंकों को अधिक लिक्विडिटी मिलेगी, जिससे लोन सुलभता में वृद्धि होगी। छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) को कर्ज मिलने में आसानी होगी, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। देखा जाए तो आरबीआई की मौद्रिक नीति ने स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जैसे, अमेरिका और यूरोपीय देशों में आर्थिक मंदी की संभावना, वैश्विक तेल कीमतों में उतार–चढ़ाव, और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। प्राइस स्टेविलिटी बनाए रखना आसान नहीं होगा, खासकर जब खाद्य और ऊर्जा की कीमतें अस्थिर हों। निजी क्षेत्र के निवेश में वृद्धि के लिए नीतिगत स्थिरता के साथ– साथ संरचनात्मक सुधारों की भी आवश्यकता होगी। दूसरी बात है कि सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही के लिए जीडीपी विकास दर 5.4 प्रतिशत रही। इसने काफी निराश किया। इस गिरावट ने ब्याज दरों में कटौती की मांग को और बल दिया है। हालांकि, जल्द ही स्थिति में सुधार होने की संभावना है। एचएसबीसी रिसर्च रिपोर्ट की 100–संकेतकों के अध्ययन से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था सकारात्मक गति से बढ़ रही है। भारत की विकास दर अब अधिक स्थायी लेकिन मजबूत स्तर पर सामान्य हो रही है। महंगाई दर अभी ऊंची है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही इसमें नरमी आयेगी। मार्च तक 5 प्रतिशत से नीचे आ जाएगी। लगातार बाहरी अनिश्चितता के कारण फरवरी से शुरू होने वाले रेपो रेट कटौती साइकिल में कमी आ सकती है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर दास के अनुसार बैंकों एनबीएफसी के वित्तीय मापदंड मजबूत बने हुए हैं। वित्तीय क्षेत्र की सेहत सर्वोत्तम स्तर पर है। शक्तिकांत दास ने कहा था कि चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2025 में टिकाऊ स्तर पर रहेगा। भारतीय रुपया उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं वाले अपने समकक्षों की तुलना में कम अस्थिर रहा है। आरबीआई विनियमित संस्थाओं पर केवल उन मामलों में व्यावसायिक प्रतिबंध लगाता है जहां पर्याप्त सुधारात्मक कार्रवाई दिखाई नहीं देती। उम्मीद यही है कि आने वाले समय में महंगाई पर अंकुश लगेगा। मगर इसमें कोई दो मत नहीं है कि आरबीआई की सस्टेनेबल प्राइस स्टेबिलिटी आर्थिक विकास की नींव को मजबूत कर सकती है। यह दृष्टिकोण दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है। संजय मल्होत्रा को यह दायित्व निभाना है। ¼fgQ½

बहन बेटियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को लेकर ब्राह्मण समाज मे आक्रोश

सुल्तानपुर (एजेंसी)। जिले मे सोशल मिडिया के माध्यम से एक बार पुनः माहौल गर्म हो गया है, फेसबुक पर द्वारिका अम्बेडकर के नाम से चल रही एक आईडी पर एक आपत्तिजानक पोस्ट को लेकर माहौल गरम हो गया जिसको लेकर परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक रजि. संगठन ने मामले को तत्काल प्रभाव से संज्ञान मे लेते राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट पं नीरज दुबे ने पुलिस अधीक्षक से मिल कर मामले की जानकारी दी और थाने पर जाकर मुकदमा भी दर्ज करवाया। श्री दुबे ने बताया कि अगर दोषी पर कठोर कार्यवाही नहीं हुयी तों हम शांत नहीं बैठेंगे। फिर आगे धरना प्रदर्शन और कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे इस अवसर पर एडवोकेट हैपी दुबे मुख्य सहयोगी, एडवोकेट संदीप मिश्रा जिला संगठन मन्त्री, एडवोकेट शिवा पाण्डेय नगर अध्यक्ष, एडवोकेट अनुप मिश्रा, एडवोकेट विवेक दुबे, एडवोकेट आत्ममानी मिश्रा वा अन्य दर्जन भर अधिवक्ता मौजूद रहे।

आर्य समाज के तत्वाधान में असिस्टेंट प्रोफेसर का हुआ सम्मान

सुल्तानपुर (एजेंसी)। आर्य समाज सुल्तानपुर द्वारा आयोजित वेद मंत्र पाठन, संभाषण, एकल भजन एवं समूह भजन गायन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की अध्यक्ष के रूप में अपना दायित्व सफलता पूर्वक निर्वहन करने पर डॉ0राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 कविता पाठक को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अरविंद चतुर्वेदी, प्रधान अरविंद पांडेय व मंत्री उदय राज वर्मा द्वारा उन्हें संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। उक्त मौके पर प्रधानाचार्य वीरेंद्र मौर्य, अजीत कुमार द्विवेदी सहित प्रतियोगी छात्र छात्राएं तथा नगर के गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

विद्युत विभाग का आवास जर्जर अधिकारी कहां करे रात्रि निवास

बल्दीराय सुलतानपुर (एजेंसी)। तहसील मुख्यालय बल्दीराय स्थित विद्युत उपकेन्द्र पर कर्मचारियोंअधिकारियो के रहने के लिए बने आवास

जर्जर अवस्था में है। कर्मचारी जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर है, किन्तु जिले के विभागीय शीर्ष अधिकारी जर्जर आवास के निर्माण करवाने में कोई रुचि नही ले रहे है।

बता दे कि विद्युत उपकेन्द्र का बल्दीराय का निर्माण लगभग छः दशक पूर्व करवाया गया था। केन्द्र पर विद्युत विभाग के कर्मचारियो व अधिकारियो के रहने के लिए आवास का भी निर्माण करवाया गया था, जिसमे केन्द्र पर तैनात एसडीओ जेई सहित अन्य कर्मचारी रात्रि निवास करके विभागीय कार्य करते थे किन्तु यह आवास अब छः दशक पुराना होने के कारण अत्यंत जर्जर अवस्था में हो गया है फिर भी विभाग के कुछेक कर्मचारी विभाग की लापरवाही का शिकार होते हुए इसी जर्जर आवास में रात्रि कर अपने अधिकारियो को कोस रहे है। विभाग के शीर्ष अधिकारी जहां जिले भर में नए नए पावर हाऊस का प्रस्ताव कर उसका निर्माण करवा रहे है वही बल्दीराय विद्युत उपकेन्द्र पर जर्जर आवास के निर्माण करवाने में कोई दिलचस्पी नही दिखा रहे है। केन्द्र पर वर्तमान में एस डी ओ जेई लिपिक तथा दो विभागीय कर्मचारी तैनात है इनमें एक कर्मचारी तो मजबूरन इसी जर्जर आवास में रहकर विभाग के दुर्दशा को कोस रहा है। शेष संविदाकर्मी भी विभाग में चौबीस घन्टे कार्य करते हुए प्राईवेट आवासो का सहारा ले रहे है। एसडीओ तथा जेई इस जर्जर आवास में रहना नही चाह रहे है क्योंकि यह जर्जर आवास कब धराशाही हो जाय किसी को नही पता। क्षेत्रवासियो ने जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए तत्काल विद्युत विभाग के जर्जर आवास का निर्माण करवाने की मांग की है।

बढ़ती ठंड में प्रशासन उदासीन, अलाव और कंबल वितरण में की जा रही शिथिलता

सुलतानपुर। जिले की बल्दीराय तहसील में बढ़ती ठंड और तेज हवा के बावजूद तहसील प्रशासन और आपदा प्रबंधन की ओर से अलाव और कंबल वितरण की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। यह स्थिति तब है, जब सरकार ने करीब 20 दिन पहले ही कंबल उपलब्ध करा दिए थे। बावजूद इसके, प्रशासनिक सुस्ती के चलते ना तो अधिकारियों और अधिवक्ताओं के लिए अलाव जलाए जा रहे हैं और ना ही राहगीरों और जरूरतमंदों को राहत प्रदान की जा रही है।

सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा पूर्व में चिन्हित प्रमुख चौक–चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की जानी थी। लेकिन अभी तक सुबह–शाम किसी भी जगह अलाव जलाने की पहल नहीं की गई है। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने शिकायत की है कि ठंड के कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर कमजोर वर्ग के लोग, जो सड़क किनारे और अस्थायी झोपड़ियों में रहते हैं वे प्रशासन की अनदेखी के शिकार हो रहे हैं। सरकार द्वारा भेजे गए कंबलों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी ठप पड़ी हुई है। लगभग 20 दिन पहले ही तहसील प्रशासन को कंबल उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन अभी तक उनका वितरण शुरू नहीं हो सका है। कई स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण कंबल जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। बढ़ती ठंड के बावजूद राहत की व्यवस्था ना होने से स्थानीय नागरिकों और अधिवक्ताओं में नाराजगी है। उनका कहना है कि प्रशासन की यह अनदेखी आम जनता के जीवन को खतरे में डाल रही है। सर्द हवाओं और गिरते तापमान से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। बल्दीराय तहसील प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लग रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस दिशा में तुरंत कदम उठाने चाहिए। सरकार द्वारा दी गई राहत सामग्री का उचित वितरण सुनिश्चित किया जाए और प्रमुख स्थलों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

जहां नारियों का सम्मान होता है वहां करते हैं देवता वास-न्यायाधीश विजय कुमार गुप्ता

सुल्तानपुर (एजेंसी) । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन विषय पर रामकली बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवता वास करते हैं। इसलिए हम सभी को चाहिए कि नारियों व बेटियों का सम्मान करें। उन्होंने महिलाओं व बेटियों के लिए संविधान में दी गई कानूनी जानकारी के बारे में बताया और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना व सुरक्षा के लिए उठाए गए उपाय के बारे में बताया। असिस्टेंट लीगल डिफेंस काउंसिल अंजली कुमारी ने अपने संबोधन में बालिकाओं को बताया कि वह सदैव अपने अधिकार के प्रति सजग रहे। यदि उन्हें स्कूल से आते–जाते या परिवार में कोई समस्या आती है तो उसका मुकाबला करें न्याय अवश्य मिलेगा। मध्यस्थ हरीराम सरोज ने अपने संबोधन में बताया कि मिशन शक्ति की जरूरत आज समाज में सभी को दिखाई दे रही है हम सभी को चाहिए कि समाज में बढ़ रहे बेटियों के प्रति अत्याचार व अपराध को रोकने में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं व उनकी सुरक्षा के लिए किए गए उपाय का सहयोग कर ले। पैनल लायर अमित पांडेय ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं से संबंधित होने वाले अपराध के बारे में उनकी सुरक्षा कैसे हो सकती है और दोषियों को कैसे दंड दिलाया जा सकता है विस्तार से बताया। उप जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में कहा गया कि यदि उन्हें कहीं कोई दिक्कत आती है तो वह प्राधिकरण का सहयोग ले और शिक्षा में कोई दिक्कत आए तो जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से संपर्क करें। कार्यक्रम को विद्यालय की प्रधानाचार्य रीना सिंह ने भी संबोधित किया अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वह सृष्टि को संचालित करने वाली महिला व बेटियां हैं उनके बगैर सृष्टि की संरचना संभव ही नहीं है । हमको डरने की जरूरत नहीं है न्यायपालिका व सरकार हमारे साथ है हम इसका भरपूर लाभ लें। इस दौरान विद्यालय की बालिकाओं ने कई नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और समाज में बेटियों के प्रति हो रहे अत्याचार के बारे में आईना दिखाया। कार्यक्रम को विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती नीलम, दीपिका शुक्ला व डॉक्टर अंजली सिंह ने संबोधित कर अपने–अपने तरीके से जानकारी दी। इस अवसर पर परिवार न्यायालय के मध्य सतीश पांडेय, पैनल लायर वरुण रतन, पीएलवी सर्वेश सिंह सुनील राठौर पूनम गौतम कृष्ण कुमार उपाध्याय मौजूद रहे।

विद्युत विभाग के संविदा कर्मी का कारनामा

एक मुश्त बिल जमा करवाने के लिए उपभोक्ता से ले लिया दो हजार रुपये

बल्दीरायध्सुलतानपुर (एजेंसी)। विद्युत विभाग में कार्यरत संविदा कर्मी उपभोक्ताओ को भ्रमित कर अवैध वसूली कर रहे है अधिकारी शिकायत होने पर भी कार्यवाही करने से कतरा रहे है। जिससे संविदा कर्मी की अवैध वसूली करवाने में अधिकारी की सलिप्ता संदेह के घेरे में है।

मामला तहसील मुख्यालय बल्दीराय का है कनेक्शन धारक बंकिम चन्द्र ने विद्युत विभाग के अधिकारी को दिए पत्र में आरोप लगाया है कि उस के विद्युत कनेक्शन पर लगभग सतरह हजार रुपये विद्युत बिल बकाया था, पिछली बार विभाग द्वारा चलाए जा रहे एक मुश्त जमा योजना के अन्तर्गत वह संपूर्ण विल जमा करना चाहा लेकिन हलियापुर विदुत उपकेन्द्र पर कार्यरत संविदा कर्मी अमरजीत ने उपभोक्ता से एक मुश्त धनराशि जमा करने के लिए उससे दो हजार रुपये ले लिए और कहा कि इसकी रसीद लाकर दूंगा और छूट का लाभ मिल जाएगा उपभोक्ता को जब छ माह बाद भी दो हजार की रसीद नही मिली तो वह संविदा कर्मी से रसीद की मांग की आनाकानी करने पर उसने पहले विभाग के शीर्ष अभियन्ता से शिकायत की। कार्यवाही के आश्वासन के बाद भी संविदा कर्मी के प्रति न तो कोई कार्यवाही हुई न उसका पैसा ही वापस हुआ कनेक्शन धारक ने इसकी शिकायत पुनः मुख्यमंत्री पोर्टल पर की विभागीय अधिकारी ने विना जांच पड़ताल किए ही मामले का बिना निस्तारण किए ही पोर्टल पर निस्तारण की फर्जी रिपोर्ट लगा दी कनेक्शन धारक को इसका पता तक नही लगा। कनेक्शन धारक बंकिम चन्द्र ने बताया कि इसकी शिकायत केन्द्र के एसडीओ से की थी उन्होंने संविदा कर्मी का मोबाईल नंबर देकर बात करने की सलाह देकर अपनी कार्यवाही से कतरा गए फिलहाल एक मुश्त बिल जमा करवाने में संविदा कर्मी लूट खसोट कर रहे है किन्तु आला अधिकारी सब कुछ देखते हुए भी मौन है सूत्र बताते है कि यह संविदा कर्मी कई उपभोक्ताओ के साथ बिल जमा करवाने मे फ्राड किया है।

चर्चा का विषय बना वांछित मनीष को छोड़ना, जमीन बेचने के नाम पर 60 लाख रुपये धोखाधड़ी करने का आरोपी है मनीष

कुशीनगर,)। जनपद के कसया पुलिस द्वारा बीते दिनो ठगी और धोखाधड़ी के मामले में वांछित अभियुक्त मनीष श्रीवास्तव को गिरफ्तार करके थाने से छोडे जाने के मामले को लेकर कसया पुलिस की खूब किरकिरी हो रही है। ऐसी चर्चा है कि पुलिस को जब मनीष के सत्तादल से ताल्लुक कात की जानकारी हुई तो वह चोक मे आ गयी और आनन–फानन में मामला मैनेज कर न सिर्फ वांछित मनीष को थाने से छोड दिया बल्कि ग्रुप से फोटो सहित गिरफ्तारी से संबंधित प्रेस नोट डिलिट करके मामले से हाथ खडा कर लिया।

बतादे कि वांछित व वारण्टी अभियुक्तों के गिरफ्तारी के लिए जनपद में चलाये जा रहे अभियान के तहत कसया पुलिस ने बीते रविवार की देर शाम धोखाधड़ी व ठगी के मामले वांछित मनीष श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया था। इसकी पुष्टि पुलिस प्रशासन के मीडिया सेल द्वारा बकायदे फोटो सहित मनीष की गिरफ्तारी से संबंधित प्रेस नोट कुशीनगर मीडिया – पुलिस ग्रुप में पोस्ट भी किया गया था लेकिन कुछ देर बाद ही ग्रुप से प्रेस नोट डिलिट कर वांछित मनीष को थाने से छोड दिया गया। कसया पुलिस के इस कार्रवाई के बाद नगर मे चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया चहुंओर पुलिस की कार्य प्रणाली को लेकर खूब छिछालेदर हो रही है। कोई सत्ता का प्रभाव तो कोई मैनेज का खेल बता रहा है सच्चाई क्या है यह कसया पुलिस बखूबी जानती है जो मनीष की गिरफ्तारी से इंकार करते हुए वांछित को पूछताछ के लिए बुलाये जाने की बात कहकर अपने कार्यप्रणाली पर सीना चौडा कर रही है लेकिन मनीष की फोटो सहित गिरफ्तारी से संबंधित प्रेस नोट को ग्रुप मे पोस्ट कर डिलिट किये जाने के मामले मे मीडिया को संतुष्टपूर्ण जबाब देने मे असहज महसूस कर रही है। इसके पीछे सबब चाहे सत्ता का प्रभाव हो या फिर मैनेज का खेल राम जाने। क्या है मनीष का मामला— वर्ष 2023 मे सितंबर माह के 29 तारीख को जनपद के कसया थाना क्षेत्र के अन्धया निवासी रजनीश मिश्रा पुत्र गिरजा शंकर मिश्रा द्वारा मनीष श्रीवास्तव पुत्र गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव निवासी वार्ड संख्या – 13 कसया के खिलाफ दिये गये तहरीर के आधार पर कसया थाने मे दर्ज किये गये मुकदमा पर गौर करे तो वादी रजनीश मिश्रा अपने जरुरत के वास्ते वर्ष 2020 में कसया में जमीन तलाश रहे थे इसी दौरान मनीष श्रीवास्तव से उनका संपर्क हुआ जहां मनीष ने रजनीश को बताया कि उनके पास जमीन है, लेना चाहे तो ले सकते है। मनीष द्वारा जमीन का खतौनी भी दिखाया गया जिसमे आराजी नंबर 168 रकबा 0.3280 हेक्टेयर व आराजी नंबर 169 रकबा 0.1700 हेक्टेयर आंछादित था। इसके बाद रजनीश द्वारा उक्त जमीन का विक्रय–विलेख कराने के लिए 7 फरवरी – 2020 को मनीष श्रीवास्तव को कुल धनराशि 90 लाख रुपये के सापेक्ष 10 लाख रुपये नगद देकर अनुबंध–पत्र जरिये नोटरी कराया गया। दर्ज एफआईआर के मुताबिक आवेदक रजनीश अपने विभिन्न सहयोगियों से सहयोग लेकर मनीष श्रीवास्तव एवं उनके बताये गये अन्य खाताधारकों क्रमशः साधना, अरविन्द व विनोद आदि के बैंक खाते में कुल 60 लाख 49 हजार पांच सौ रुपये भुगतान कर दिया। तभी किसी व्यक्ति ने रजनीश को बताया कि मनीष श्रीवास्तव फ्राड किस्म का व्यक्ति है, दूसरे की जमीन को अपना बताकर उस पर एडवांस ले लेता है। उससे सर्तक रहने की आवश्यकता है। यह बात सुनते ही रजनीश के कान खड़े हो गये और मनीष श्रीवास्तव द्वारा दिये गये खतौनी का अधिवक्ता के जरिए सत्यापन कराया तो पता चला कि आराजी नंबर 168 व 169 किसी दूसरे व्यक्ति अरविन्द आदि के नाम से अंकित है। इससे स्पष्ट हो गया कि मनीष श्रीवास्तव ने छल–कपट, धोखाधडी व कूटरचना कर फर्जी खतौनी तैयार कर रजनीश को झांसे में लेकर पैसा हडपने का कार्य किया है। फिर क्या, रजनीश मिश्रा ने इस संबंध सम्बंध में 23 मई–2023 को मनीष श्रीवास्तव से वार्ता किया तो मनीष ने कहा कि मेरे द्वारा बनाये गये अनुबंध–पत्र की मूलप्रति लेकर आईये और अपना पैसा ले लीजिये। मनीष के कहने पर रजनीश अनुबंध पत्र का मूल प्रति लेकर उनके घर पहुचे जहां मनीष श्रीवास्तव ने अनुबंध–पत्र की मूल प्रति लेकर 27 मई–2023 को पैसा वापस लौटाने की बात कही। दर्ज मुकदमे के कहा गया है कि जब रजनीश निर्धारित तिथि 27 मई को मनीष श्रीवास्तव से पैसा मांगने गये, तो मनीष ने 22 जून 2023 फिर 25 जुलाई 2023 को पैसा वापस करने का समय दिया। मनीष श्रीवास्तव द्वारा बार–बार समय देने के बाद पैसा नही लौटाने पर रजनीश का शक पूर्णतः यकीन में बदल गया कि मनीष पैसा हडपने के उद्देश्य से टाल–मटोल कर रहे है। अंत में आजीज होकर वादी रजनीश ने मनीष श्रीवास्तव से कहा कि वह कानूनी कार्यवाही करने जा रहे है यह सुनते ही मनीष भड़क गये और भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये हत्या करने की धमकी दी, तथा कहा कि मैं पैसा नहीं दूंगा, जाओ जो करना है, कर लेना।

सेहतमंद रहने के लिये हेल्थ क्लब फायदेमंद: डा. प्रियेश कुमार त्रिपाठी

कुशीनगर, 13 दिसम्बर (आरएनएस)। जनपद केतहसील क्षेत्र के ग्राम चकदेइया में देवेश हेल्थ क्लब का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख डा. प्रियेश कुमार त्रिपाठी ने फीता काटकर किया और अपना फार्म भरकर प्रवेश लिया।शुक्रवार को उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हेल्थ क्लब के खुलना प्रसंशनीय है। युवा सेहतमंद रहेंगे। शहरों में यह संसाधन मौजूद है लेकिन ग्रामीण अंचल में इसका अभाव है। गांवों में छिपी प्रतिभाओं को शरीर सौष्ठव के मामले में खुद को तराशने का अवसर है और सीखकर रोजगार की ओर उन्मुख हो सकते हैं। डा. त्रिपाठी एवं अतिथियों का माल्यार्पण कर संचालक व प्रशिक्षक पवन कुमार चतुर्वेदी, रमेश सिंह, देवेश चतुर्वेदी, हर्षवर्धन चतुर्वेदी, इशांत ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सभी का आभार व्यक्त करते हुए संचालक श्री चतुर्वेदी ने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं से क्लब लैस है। यहां ओलंपिक वजन प्रशिक्षण, ओलंपिक प्लेट व रॉड वेट ट्रेनिंग, तेजी से वजन घटाना, एरोविक क्लासेज, जुम्बा क्लासेज आदि की व्यवस्था की गई है।

पूर्ववर्ती सपा सरकार में खाद बीज के लिए किसान खाते थे लाठिया:कृषि मंत्री

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के सरकार में किसानों को खाद व बीज के लिये लाठियां खानी पड़ती थी। वहीं वर्तमान की भाजपा के सरकार में किसानों को सरकारी गोदामों से आवश्यकता अनुसार खाद व बीज ई पास मशीन से अनुदान काट कर उपलब्ध कराया जा रहा है।

उक्त बातें कुशीनगर महोत्सव में तमकुहीराज के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेलाध्कृषि मेले का शुभारंभ करते हुए प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहीं। उन्होंने ने किसान सम्मान निधि की चर्चा करते हुए कहा कि जनपद की तीन चीनी मिलें वर्ष में जितनी गन्ने का भुगतान करती है, उतनी रकम जिले किसानों को मोदी जी किसान सम्मान निधि के रूप में देते है। उन्होनें गन्ना किसानों

श्रीमदभागवत कथा श्रवण से मिला करती है संतापों से मुक्तिडा. रामकृपाल त्रिपाठी

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर विकासखण्ड के मुस्तफाबाद पूरे मेड़ई में चल रही संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालु कथा का रसपान कर रहे हैं। वृदांवन से पधारे कथाव्यास डॉ. रामकृपाल त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं को बताया कि भगवान श्रीकृष्ण जी ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लिया। उन्होनें बचपन से ही अपनी लीलाओं के जरिए धर्म स्थापना का मजबूत संदेश भी दिया। कथाव्यास ने कहा कि बिना कर्म के कुछ भी संभव नही है। जो भागवत कथा श्रवण करता है उसे समस्त संतापों से मुक्ति मिल जाया करती है। कथाव्यास ने रूक्मणी विवाह प्रसंग पर बताया कि रूक्मणी ने मन ही मन श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया था। यह बात जब उसके भाई रूक्मी को ज्ञात हुई तो वह रूक्मणी का विवाह शिशुपाल से करने का निश्चय कर लिया। कथा प्रसंग में आचार्य डॉ. रामकृपाल त्रिपाठी ने बताया कि रूक्मणी का भेजा पत्र पाकर श्रीकृष्ण ने रूक्मणी का हरण कर लिया और द्वारिका लाकर उनके साथ विवाह किया। कथाव्यास ने बताया कि रूक्मणी विवाह के जरिए भगवान ने यह संदेश दिया कि महिलाओं को अपना अधिकार पाने का पूरा हक है। मुख्य यजमान कलावती एवं त्रिभुवन शुक्ल ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच व्यासपीठ का पूजन किया। वही कथा के दौरान बीच बीच में राधे श्रीकृष्ण संकीर्तन में श्रद्धालु भावविभोर हुए दिखे। इस मौके पर सुधाकर शुक्ल, राजू शुक्ल, भूपेन्द्र शुक्ला, मुन्ना सिंह, विपिन आदि मौजूद रहे।

अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही का दर्ज हुआ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते दुर्घटना करने का केस दर्ज किया है। रायबरेली जिले के बैरीहार थाना जगतपुर गांव निवासी जितेन्द्र कुमार पुत्र स्व. मोहनलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि अटठाईस नवंबर की शाम पांच बजे उसका भाई अजय कुमार अपनी बाइक से गांव की ही सीमा देवी पत्नी स्वर्गीय चंदन को साथ लेकर रिश्तेदारी जा रहा था। लालगंज कोतवाली के रायपुर चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक मे जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे अजय व सीमा गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों का अस्पताल मे इलाज चल रहा है। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

तीन के खिलाफ मारपीट व धमकी का मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट व गालीगलौज में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे वंशी गांव निवासी रफीक पुत्र दोस्त मोहम्मद ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर ग्यारह दिसंबर की शाम करीब पांच बजे गांव के शुभम कोरी पुत्र हीरालाल कोरी ने दो अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसके भतीजे करम अली पुत्र मो. इद्रीश को लाठी डण्डा से जमकर मारापीटा। आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद शुभम कोरी समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

तीन के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश में हुई मारपीट में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं मे केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के बेलहा निवासी रामसुचित पुत्र भगवानदीन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि सात दिसंबर को सुबह करीब आठ बजे वह अपने दरवाजे पर बैठा था। इसी बीच परिवार के सुखराम, श्रीकान्त व विकास वहां आ धमके। आरोपीगण पीड़ित को गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दिया। जान बचाने को पीड़ित घर में भागा तो आरोपियों ने घर में घुसकर भी उसे तथा महिलाओं व परिवार के अन्य लोगों को मारापीटा। आरोपियो ने घरेलू सामानो मे तोडफोड करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। गंभीर चोट लगने से उसके परिवार के ओमप्रकाश बेहोश हो गये। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पोलियो प्रतिरक्षण अभियान में लालगंज क्षेत्र में चौदह हजार से अधिक नौनिहालों को पिलायी गयी खुराक

लालगंज, प्रतापगढ़। पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के तहत लालगंज क्षेत्र में चौदह हजार तीन सौ उन्यासी नौनिहालो को जिंदगी की खुराक दी गयी। अधीक्षक डा. अरविन्द गुप्ता की अगुवाई में पिछले सोमवार से डोर टू डोर संचालित हुए पांच दिवसीय अभियान में पचास टीमो के द्वारा घर घर जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक से संतृप्त किया गया। वहीं अभियान के तहत स्वास्थ्य टीमों ने पोलियो की घातकता को लेकर ग्रामीणों को जागरूक भी किया। अधीक्षक डा. अरविन्द गुप्ता ने बताया कि दिव्यांगता से बचने के लिए प्रत्येक नौनिहाल को पोलियो की खुराक संजीवनी है। उन्होने लोगों के द्वारा इस अभियान मे मिले सहयोग को लेकर आभार भी जताया। बीपीएम बृजेश पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार को डोर टू डोर अभियान के समापन पर टीम मे शामिल स्वास्थ्यकर्मियों के सफल प्रयास को सराहा गया। इस मौके पर डा. इलियास, डा. सुधाकर, डा. अशोक, देवकुमार दुबे, अरविन्द शुक्ल, मान सिंह आदि रहे।

विविध कार्यक्रमों में आज शामिल होंगे उपनेता प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी आज शनिवार को रामपुरखास के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगे। वह दिन में एक बजे रानीगंज कैथौला स्थित सरदार पटेल इण्टरमीडिएट कालेज के वार्षिकोत्सव में शामिल होंगे। इसके पहले राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी अगई खास में पूर्व उपकुलपति स्व. प्रो. कामता प्रसाद त्रिपाठी पीयूष के निधन पर संवेदना प्रकट करेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

इन्टर कालेज में केयरिंग हैन्ड कार्यक्रम का आयोजन

सुलतानपुर (एजेंसी)। महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में आईसीआईसीआई लोंबार्ड के द्वारा चलाए जा रहे केयरिंग हैंड सामाजिक कार्यक्रम के तत्वाधान में बच्चों की आंख का हुआ परीक्षण। आईसीआईसीआई लोंबार्ड की सुल्तानपुर शाखा के प्रबंधक श्रवण पांडेय अपनी टीम राम मिश्रा, शोभित श्रीवास्तव, शुभम पांडेय, नीरज सिंह के नेतृत्व में केयरिंग हैंड कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 से लेकर 10 तक के 246 बच्चों की आंख का निशुल्क परीक्षण कराया गया। नेत्र परीक्षण के पश्चात आईसीआईसीआई लोंबार्ड की तरफ से सभी बच्चों को ज्योमेट्री बॉक्स और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र दिया गया। परीक्षण में नेत्र विकार से ग्रसित बच्चों को निःशुल्क चश्मा भी आईसीआईसीआई लोंबार्ड की तरफ से उपलब्ध कराया जाएगा। नेत्र का परीक्षण मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ संजय तिवारी और मुस्कान विजन सेंटर प्रयागराज की डॉ शशि चोपड़ा के द्वारा किया गया। एमजीएस विद्यालय के प्रबंधक डॉ विनोद कुमार सिंह और प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने बच्चों के नेत्र का परीक्षण करने के लिए आई टीम और आईसीआईसीआई लोंबार्ड के अधिकारियों स्वागत किया। प्रबंधक डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आंख शरीर का महत्वपूर्ण अंग होता है। आंख के बिना हमारा जीवन बहुत ही कष्टदायक होता है। हमारे समाज में नेत्रहीन व्यक्ति को हेय दृष्टि से देखा जाता है। नेत्रहीन दिव्यांग लोगों के प्रति हमें अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए। उन्हें बराबरी का दर्जा देकर प्रोत्साहित करना चाहिए। नेत्र चिकित्सा कार्यक्रम राजेश कुमार कनौजिया, डॉ अजय कुमार सिंह, देवेश मिश्रा,वैभव रघुवंशी, अरविंद कुमार सिंह आदि के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

महर्षि विद्या मंदिर में त्रिदिवसीय खेलकूद समारोह का समापन

संवाददाता

फतेहपुर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से सम्बद्ध महर्षि विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल फतेहपुर में आज समापन समारोह के अवसर पर नगर पालिका परिषद चेयरमैन राजकुमार मौर्या जी मुख्य अतिथि व प्रदीप कुमार गर्ग अध्यक्ष प्रदेश वितरक संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आज की खेलकूद गतिविधियों में बालक वर्ग के लिए 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें शौर्य गुप्ता प्रथम स्थान, सोहित द्वितीय स्थान व अजय कुमार तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में शॉट पुट प्रतियोगिता आयुष सिंह, कार्तिकेयन दुबे, व देवांश सिंह क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में उदयन चन्देल, आदित्य सिंह और अभिनव गौर ने अपना स्थान अर्जित किया। सामूहिक खेलकूद बास्केट बॉल प्रतियोगिता जो व्यास और वशिष्ट हाउस के बीच में खेला गया जिसमें व्यास हाउस विजेता और वशिष्ट हाउस उप विजेता रहे। सीनियर वर्ग के लिए वॉलीबॉल प्रतियोगिता जो नारायण और परासर हाउस में हुई जिसमें नारायण हाउस विजेता और परासर उप विजेता रहे। कबड्डी की प्रतियोगिता में मो० आरिस, तरूण, शिवम उपध्याय, अभिषेक दीक्षित, सौर्य पाण्डेय, मोनू यादव ने बेहतर प्रदर्शन कर अपने हाउस को विजय दिलायी। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि द्वारा विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर भविष्य में उनके बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनायें दी। अपने उद्बोधन में उन्होनें कहा कि महर्षि महेश योगी जी द्वारा स्थापित यह संस्था शिक्षण के साथ–साथ पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों व खेल में भी जनपद में अपना स्थान रखती हैं। अनुशासन और संस्कार के लिए संस्थान देश में ही नहीं विश्व के अन्य देशों में भी जाना जाता है। विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार गर्ग ने कहा कि खेल में सिर्फ जीत या हार का विषय नहीं होता बल्कि धैर्य, साहस, पराक्रम भाईचारा आत्मविश्वास जैसे गुणों का भी विकास होता है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को इन गतिविधियों में प्रतिभाग कर जीवन दक्षता हासिल करनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने आगत अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र व बैज अलंकरण कर सम्मान किया, साथ ही उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापन कर भविष्य में उनके सहयोग की अपेक्षा की।

सपा अयाह-शाह विधानसभा की कमेटी घोषित

संवाददाता

फतेहपुर। शुक्रवार को अयाह शाह विधानसभा अध्यक्ष मनोज यादव ने विधानसभा कमेटी घोषित करते हुए सभी पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर मनोनयन पत्र वितरित किया, इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष डॉ0 अमित पाल ने सभी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए पद अनुरूप अपनी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पार्टी को मजबूत करने की बात की और सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित किया। पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर रामफल यादव, इब्राहिम खान, धीरेन्द्र निषाद, प्रमोद यादव, अभिषेक कुमार को जिम्मेदारी दी गई। महासचिव रामदुलारे पासवान, कोषाध्यक्ष अमित सोनी को बनाया गया। सचिव पद पर रामगुलाम जाटव, रमेश पटेल, रहीश खान, स्वामीशरण लोधी, अनिल कुमार यादव, जगतपाल पासवान, महेशचंद्र पाल, रामआसरे प्रजापति, राजेश कुमार यादव, रोशनलाल, धर्मपाल, शैलेन्द्र कुमार, इंद्रजीत लोधी, रामू पासवान, सोनेलाल कुशवाहा, सुरेश कुमार यादव, खेमचंद्र, रामू निषाद, संतोष प्रजापति, कमलेश सिंह यादव, आशीष कुमार नामदेव को बनाया गया तो सदस्य पद पर कामता प्रसाद कोरी, रामचंद्र निषाद, रामदेव कोरी, विनोद कुमार कोरी,अशोक कुमार, राजेंद्र प्रसाद, रामसजीवन प्रजापति, धर्मेंद्र सिंह को बनाया गया। सभी पदाधिकारियों ने मुंह मीठा करते हुए अपने दायित्वों को सहर्ष स्वीकार करते हुए पार्टी को मजबूत करने की बात की। इस मौके पर राजकरण पाल, दिनेश पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को मारी टक्कर, महिला की मौत

संवाददाता

जहानाबाद, फतेहपुर। जहानाबाद कस्बा मुगल रोड हाईवे से बाइक में सवार होकर ग्राम परास थाना घाटमपुर जिला कानपुर नगर निवासी अरुण कुमार पुत्र नन्हेंलाल अपनी पत्नी पूजा देवी को बैठालकर अपनी ससुराल ग्राम मौहार थाना कल्याणपुर जनपद फतेहपुर एक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने शुक्रवार की दोपहर 12.10 पर जा रहा था जैसे ही मोहल्ला अंबेडकर नगर के समीप पहुंचा तभी कंटेनर ट्रक नंबर एचआर 38जेड/ 6355 के चालक द्वारा तेज वाला लापरवाही से चलाने में बाइक सवार दंपत्ति उपरोक्त ट्रक की चपेट में आ जाने से पूजा की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई और वहीं अरुण घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची क्षेत्रीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू की और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद में उपचार हेतु भर्ती कराया, साथ ही घटनाक्रम मे उपरोक्त कंटेनर को मुगल रोड हाईवे बजाज एजेंसी के ठीक सामने से कब्जे में लिया, जहां ट्रक चालक ट्रक को छोड़कर फरार हो गयास ट्रक और बाइक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। बाइक चालक अरुण कुमार ने बताया कि डेढ़ माह पूर्व उसका विवाह ग्राम मौहार थाना कल्यानपुर निवासिनी पूजा देवी के साथ हुआ था आज ससुराल पर वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहा थे और जहानाबाद में कंटेनर की टक्कर से पत्नी पूजा की मौत हो गई और वह घायल हो गया, साथ ही बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि कंटेनर की चपेट में आने से बाइक सवार दंपत्ति में महिला की दर्दनाक मौत हो गई और युवक घायल हो गया है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की गई है परिजनों मे नन्हेलाल वाल्मीकि पुत्र आशादीन की तहरीर पर अभियोग पंजी.त किया जा रहा है।

गोद लिए टीबी मरीजों को वितरित की पोषण सामग्री

संवाददाता

फतेहपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के सभी अस्पतालों में प्रत्येक माह की 15 तारीख को होने वाले निःक्षय दिवस के पूर्व अवसर पर सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए शुक्रवार को डॉ0 सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन व मुख्य ट्रस्टी डॉ0 अनुराग श्रीवास्तव ने गोद लिए हुए नए टीबी मरीज सना, बुद्धराम, अनीता, नबी बक्श,शिफा को पोषण सामग्री (बॉर्नवीटा, मूंगफली, चना, सत्तू, गुड़ इत्यादि) वितरित की।इस अवसर पर चिकित्साधिकारी डॉ0 अशोक गुप्ता, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर अजीत सिंह, रेडक्रास आजीवन सदस्य राकेश कुमार व प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

अधिकारी ने वृद्ध महिला को ठंड में दिया कंबल

संवाददाता

खागा, फतेहपुर। नगर पंचायत परिसर में एक वृद्ध महिला आई अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार बागी ने महिला को देख ठंड से बचाव के लिए स्वेटर और पूर्ति निरीक्षक से बातचीत कर खाद्यान्न दिलवाया। वृद्ध महिला खुश होकर अधिशासी अधिकारी को आशीर्वाद दिया और साथ–साथ अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार बागी ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत भ्रमण कर अधिशासी अधिकारी ने कहा कि गरीब पात्र को कंबल भी वितरण किया जाएगा और कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की नगर पंचायत से संबंधित कोई समस्या है तो वह नगर पंचायत कार्यालय में आकर अवगत कराये, जिस पर जांच कर नियमानुसार कार्य किया जायेगा।

मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सीडीओ ने किया समापन

संवाददाता

फतेहपुर। स्पोर्ट्स स्टेडियम में बेसिक विद्यालयों के मंडल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मंडल के समस्त जनपदों के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी ने किया। प्रतियोगिता में 200 मीटर प्राथमिक स्तर बालक वर्ग माया कौशाम्बी से प्रथम, अनिता विजयीपुर द्वितीय, रंजीता कौशाम्बी तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर प्राथमिक स्तर बालिका में माया कौशाम्बी प्रथम, पिंकी विजयीपुर फतेहपुर, रिया हसवा फतेहपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर जूनियर स्तर बालक वर्ग में विजयलक्ष्मी कौशाम्बी प्रथम, काजल विजयीपुर द्वितीय, सोनम मिटौरा तृतीय, 50 मीटर प्राथमिक वर्ग में मोहम्मद वारिश प्रयागराज, सूरज द्वितीय, प्राथमिक 100 मीटर बालक वर्ग में आकाश हसवा फतेहपुर प्रथम, रिंकू कौशाम्बी द्वितीय, एकांकी मैयूपीएस कुंभीपुर हथगाम फतेहपुर प्रथम, समूहगान में फतेहपुर प्रथम, अंत्याक्षरी में फतेहपुर प्रथम, प्रयागराज द्वितिय, व्यायाम प्रदर्शन में प्रतापगढ़ प्रथम व प्रयागराज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत चौम्पियन शिप प्राथमिक वर्ग में हेमकरन प्राथमिक विद्यालय गुरवल व बालिका वर्ग में अनीता प्राथमिक विद्यालय गुरवल विजयीपुर ने प्राप्त किया। जूनियर स्तर में व्यक्तिगत चौंपियन शिप में अनुष्का जनपद कौशाम्बी, व बालक वर्ग ने प्रांशु फतेहपुर व मोहम्मद शाबिर प्रतापगढ़ ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय जय सिंह, संजय सिंह धाता, गौरव मिश्रा असोथर, दीप्ति त्रिवेदी मंत्री, जूनियर शिक्षक महासंघ, अरुण मिश्रा, अमित पांडेय, सुनील अग्निहोत्री, लाल देवेंद्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सिंह नगर अध्यक्ष, पंकज पासवान, फूलसिंह राजपूत, उमाशंकर स्नेहलता त, सुष्मिता, नीरज उत्तम, मोहम्मद हसन, संजीव, शुक्ला उपस्थित रहे। रंगोली टीम में शैलेन्द्री, अर्चना, स्नेहलता, रीना, वर्षा आदि ने बनाया। व ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सीमा चौहान, दिलीप सिंह, जानेंद्र सिंह, आशीष पटेल, मनीष सचान, मृदुल शुक्ला, गौरव द्विवेदी, धनंजय द्विवेदी, धनजंय द्विवेदी, राजेश वर्मा, सुलक्षणा यादव, आदित्य पाण्डेय, शशांक सिंह उपस्थिति रहे। मंच संचालन अनुराग मिश्रा ने किया। मंडल स्तरीय एथलेटिक्स एवं सांस्तिक प्रतियोगिता 2024/25 में फतेहपुर 152 अंकों के साथ विजेता एवं कौशांबी 80 अंकों के साथ उपविजेता रहा।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सीएचसी का किया निरीक्षण

संवाददाता

बिंदकी, फतेहपुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया मौजूद अधीक्षक तथा अन्य चिकित्सकों तथा कर्मचारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और बेहतर कार्य के लिए निर्देश भी दिये। शुक्रवार को क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस लक्ष्य एवं मुस्कान सर्टिफिकेट का स्टेट एसेसमेंट स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अधीक्षक डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूदा हालात में चिकित्सकों की संख्या व व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की स्वास्थ्य विभाग की आई टीम की डॉक्टर दीप्ति शुक्ला ने बच्चों के प्रसव की व्यवस्था के बारे में महिला चिकित्सकों तथा कर्मचारियों से जानकारी ली और कौन सी बेहतर व्यवस्था हो सकती है इसके बारे में भी बात किया ताकि उच्च अधिकारियों को लिखकर व्यवस्था में और सुधार लाया जा सके ताकि आम जनता को उसका लाभ मिल सके टीम में मौजूद राजन प्रसाद सिंह ने चिकित्सकों तथा कर्मचारियों से वार्ता कर व्यवस्थाओं के बारे में जनता से जानकारी प्राप्त की और कहा कि सभी लोग अपना काम जिम्मेदारी से करें यदि कोई दिक्कत है तो बताने का काम करें ताकि और व्यवस्था हो सके, इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजीव में गिरी भी मौजूद रहे। इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि दो दिनों का स्टेट असेसमेंट है शुक्रवार को पहला दिन था शनिवार को भी अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा।

शैक्षणिक व सामाजिक विषयों पर की चर्चा

संवाददाता

फतेहपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा ठाकुर युगराज सिंह महाविद्यालय में 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक मुद्दों पर पारित प्रस्तावों का छात्र–संवाद के माध्यम से वाचन करते हुए चर्चा की गई। जिसमे मुख्य रूप से छात्रों के पठन पाठन में आ रही बाधाओं को सुन गया और उसपर विचार विमर्श किया गया जिसमें अमित शुक्ला प्रांत संयोजक ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी 'प्रवेश परीक्षा और परिणाम ठीक करेंगे ये तीन कामश्यही तक ही सीमित नही है इस के अलावा श्पंच परिवर्तन के पंचप्रण के साथ परिषद करेंगी राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। इस अवसर पर मुख्य रूप से सोशल मीडिया संयोजक वैभव श्रीवास्तव, आकर्ष, अभय मिश्रा, ऋषिका तिवारी, अक्षय, घनश्याम, महक, अनुभव, प्रतीक, अनूप, आर्यन, किरन उपस्थित रहे।

प्रेम शंकर मिश्र स्मृति पुरस्कार से नवाजे गए अनुदेशक महेंद्र

संवाददाता

खागा, फतेहपुर। जनपद के पूर्व प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष स्वर्गीय प्रेम शंकर मिश्र की पुण्यतिथि बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्व0 प्रेम शंकर मिश्र स्मृति पुरस्कार उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंम्भीपुर के अनुदेशक महेंद्र सिंह को उनके विद्यालय प्रबन्धन में भागीदारी हेतु दिया गया। कार्यक्रम में कुंभीपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा सुविधाओं पर वाटिका तथा लोकगीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वही हथगाम से आए कई शिवशरण बंधुओ ने अपनी कविता यूं नहीं घर पर छत बनती है दीवार बनानी पड़ती है। गीत प्रस्तुत किया। जिसे श्रोतों ने मुग्ध कंठ सराहा। वही ज्ञानेंद्र गौरव तथा अन्य श्रोताओं ने भी अपने–अपने विचार प्रस्तुत किया। वही अन्त में इस कार्यक्रम के संयोजक शैलेंद्र मिश्र ने सभी आगंतुकों व गणमान्य व्यक्तियों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। स्मृति समारोह में भाग लेने वालों में मुख्य रूप से खागा अध्यक्ष गीता सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ जिला मंत्री विजय त्रिपाठी, सभासद मयंक मिश्र, अभिमन्यु सिंह, मोहम्मद यासीन, मां गौरव शिक्षा सदन प्रबंधक राजेंद्र गौरव, बाल .ष्ण त्रिपाठी ,राजाराम पाल, सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, हरिशंकर पांडे, राम मूरत पांडे, मयंक मिश्र, मयंक केसरवानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नवचयनित बूथ अध्यक्षों का स्वागत कर रथ में बैठाकर कराया भ्रमण

संवाददाता

फतेहपुर। अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र के गाजीपुर मंडल में नव चयनित बूथ अध्यक्षों को गाजीपुर नगर में पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने शुक्रवार को रथ में बैठाकर नगर भ्रमण कराया। बूथ अध्यक्षों के रथों में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल व जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के साथ ही स्थानीय अयाह शाह विधायक विकास गुप्ता ने सारथी की भूमिका निभायी।, वहीं उपस्थित बूथों के अध्यक्षों का माल्यार्पण व पगड़ी पहनाकर सम्मानित करने के साथ ही प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीयअध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की परंपरागत वह अमूल्य पूंजी है जो पार्टी के लिए दिन रात व सभी ऋतुओं में काम करते हैं। इसीलिए संगठन द्वारा सभी बूथ अध्यक्षों को ससम्मान रथों में बैठाकर नगर भ्रमण कराया जा रहा है। जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने उपस्थित बूथ अध्यक्षों को शुभकामनाएं प्रदान की। वहीं विधायक अयाह शाह विकास गुप्ता ने बूथ अध्यक्षों के संगठनात्मक कार्यों की भूरि भूरि प्रसंशा करते हुए कहा कि बूथों पर बूथ अध्यक्ष ही संगठन के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा सभी बूथों के अध्यक्षों के सम्मान परंपरा को लेकर सभी का माल्यार्पण व पगड़ी पहनाकर रथों में नगर भ्रमण कराया जा रहा है। कार्यक्रम में जय प्रकाश कुशवाहा, जिलापंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, ओम् मिश्रा, ज्योति प्रवीण, गाजीपुर मंडल प्रभारी डॉ शिवप्रसाद त्रिपाठी, विक्रम सिंह चंदेल, अतुल त्रिवेदी, स्वरूप राज सिंह जूली, अभिषेक शुक्ला, विनोद पाण्डेय मण्डल अध्यक्ष गाजीपुर, सुरेश परमार, राजोल मिश्रा, मनोज कुशवाहा, बम लहरी द्विवेदी, विनोद गौतम, अखिलेश श्रीवास्तव, धनपत मौर्य, मनोज द्विवेदी, नितिन तिवारी, शिवम योगी, राज पांडे, राजदीप सिंह, प्रधान विक्रम प्रताप सिंह, राजकमल सिंह, नाहर सिंह, अजय सिंह, चेतन गौतम, सचिन मौर्य, अतुल निषाद, महेंद्र गुप्ता, महेंद्र अवस्थी, शिवमंगल मिश्रा महिला मोर्चा अध्यक्ष निशू तिवारी सहित पार्टी पदाधिकारी व मंडल कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौशाला के बाहर रखी पराली जलकर राख

संवाददाता

विजयीपुर, फतेहपुर। विजयीपुर विकासखंड की कान्हा कालिंद्री गोशाला के बाहर रखी 300 ट्रॉली पराली में अज्ञात कारणों से आग लग गई। विजयीपुर विकास खंड की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत गढ़ा में कालिंदी कान्हा गोशाला में गोवंशियो को खिलाने के लिए गोशाला के बाहर लगी सैकड़े ट्राली पराली में बुधवार की रात अज्ञात कारणों से आग लग जाने से जलकर राख हो गई। सूचना पर ग्रामीणों के साथ प्रधान पति भी मौके पर पहुँच आग पर काबू पाना चाहा लेकिन विकराल आग से कुछ न बचा।और सब जलकर राख हो गया। प्रधान नन बुद्धि देवी ने आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर बताया कि गांव के अज्ञात लोगो द्वारा राखी परली में आग लगा दी गई है। थानाध्यक्ष दिवाकर सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है जांच की जा रही है प्रधान पति द्वारा तहरीर प्राप्त हुई है स

ट्रक ने सफारी में मारी टक्कर, पांच घायल

संवाददाता

बकेवर, फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्टेट हाईवे पर गाँव पतारी मोड़ के समीप गुरुवार की दोपहर एक ट्रक व सफारी कार की टक्कर हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात ट्रक ने टक्कर मारी और जहानाबाद की ओर चला गया। वही राहगीरों ने समीप के अस्पताल सकूराबाद में घायलों को इलाज के लिए भेजा। घटना की जानकारी होने पर घायलों के परिजन आए और उनको इलाज के लिए निजी अस्पताल इलाज के लिए ले गए। वही घायलों में नन्नू शेख, नगीना बेगम, जुनैद अहमद ,सबीना और इरफान निवासी सनिगवां फतेहपुर रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक बकेवर की ओर से आ रहा था तो वही सफारी कार जहानाबाद की ओर से आ रही थी। परिजनों ने बताया कि यह सभी इलाज के लिए अमरोहा गए थे और वही से लौट रहे थे। घटना की सूचना पर बकेवर पुलिस बल भी मौके पर पहुँचा। थानाध्यक्ष बकेवर संगीता सिंह ने बताया कि टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान कर ली गई, आगे कार्रवाई की जाएगी।

माफी न मांगने पर लालू का पुतला किया दहन

संवाददाता

बांदा। बीते दिनों राजद प्रमुख लालू यादव द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाना बनाकर महिलाओं को अशोभनीय भाषा इस्तेमाल किया था जिसके लिए पूरे देश में आक्रोश है। जेडीयू नेत्री शालिनी सिंह पटेल ने लालू यादव का पुतला दहन करने का फैसला लिया। शुक्रवार को दर्जनों कार्यकर्ता महिलाओं ने पुतला फूंक कर आक्रोश जताया। बीते दिनों लालू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाना बनाते हुए महिलाओं को अपमानित किया था।खनऊ पहुंचकर इको गार्डन में धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता जदयू जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ निहारिका मंगल जेडीयू प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जदयू श्रीराम प्रजापति जिला सचिव हजरत अली जिला सचिव बिहारी लाल जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ अर्जुन सिंह जदयू जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश निगम जदयू जिला महासचिव बाबूलाल चौधरी जदयू जिला महासचिव दिलीप गुप्ता व्यवसायिक प्रकोष्ठ जेडीयू जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ चुन्नी देवी अतर्रा नगर अध्यक्ष नगर महासचिव फिरोज अली अतर्रा नगर सचिव महिला प्रकोष्ठ आरती देवी जिला महासचिव जदयू महिला प्रकोष्ठ लक्ष्मी देवी बलराम, मातादीन दीन भैराम दीन,सुरेश जिला जदयू मीडिया प्रभारी महिला प्रकोष्ठ रजनी द्विवेदी, रामशरण सैकड़ो लोग शामिल रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 15 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

भारत के गेंदबाजी आक्रमण का भार मुख्य रूप से बुमराह ने उठाया :गावस्कर

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि मौजूदा टेस्ट टीम वास्तव में गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करने के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर है।बुमराह दो मैचों में 12 विकेट लेकर मौजूदा बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लेकिन बुमराह को बाकी भारतीय तेज गेंदबाजों से ज्यादा समर्थन नहीं मिला है – मोहम्मद सिराज ने नौ विकेट लिए हैं, जबकि हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी ने पांच और दो विकेट लिए हैं।

हां, काफी हद तक। आपको यह कहना होगा। मोहम्मद सिराज एक अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें एक पारी में पांच विकेट लेने शुरू करने होंगे। अन्यथा, भार मुख्य रूप से जसप्रीत बुमराह द्वारा उठाया जा रहा है।

लेकिन अगर सिराज दो, तीन विकेट ले सकते हैं, साझेदारी तोड़ते रहते हैं, तो वह निश्चित रूप से जसप्रीत बुमराह की मदद करते हैं। नए खिलाड़ी हर्षित राणा ने पर्थ में प्रभावशाली गेंदबाजी की, लेकिन एडिलेड में दूसरे मैच में वह उतने प्रभावशाली नहीं रहे।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, शायद वह अपनी लय नहीं बना पाए, इसलिए वह उस लंबाई या लाइन पर गेंदबाजी नहीं कर पाए, जो उन्हें करनी चाहिए थी। लेकिन उम्मीद है कि उन्होंने सीख लिया होगा। और फिर यह आसान हो जाएगा। इससे बुमराह का भार कम हो जाता है। बुमराह चार या पांच ओवर के छोटे अंतराल में आ सकते हैं और अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

14 दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए भारत का स्पिनर कौन होना चाहिए, इस संदर्भ में पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाना चाहिए, क्योंकि रविचंद्रन अश्विन ने एडिलेड में दूसरे मैच में खेला था, लेकिन बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं करते हुए मिशेल मार्श का सिर्फ एक विकेट लिया था।

उन्होंने कहा, अगर हमें स्पिनर खेलाना है, तो मुझे लगता है कि टीम इंडिया वाशिंगटन सुंदर को फिर से आजमाएगी। क्योंकि उन्होंने पर्थ में अच्छा खेला और उनकी गेंदबाजी भी अच्छी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड के सामने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, उन्हें भी आत्मविश्वास महसूस हुआ होगा।

अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा हरभजन के विचारों से सहमत हैं। केवल एक बदलाव हो सकता है। अगर वे अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करना चाहते हैं तो वाशिंगटन अश्विन की जगह ले सकते हैं। गेंदबाजी में कोई तुलना नहीं है। अश्विन बहुत अच्छे गेंदबाज हैं। लेकिन अगर उन्हें बल्लेबाजी में थोड़ी और मजबूती चाहिए, तो वे वाशिंगटन को खिला सकते हैं।

लेकिन अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला को लगता है कि ब्रिसबेन टेस्ट के लिए अश्विन को बरकरार रखा जाना चाहिए। अश्विन ने दूसरे टेस्ट मैच में जिस तरह से खेला, उसने उन्हें काबू में रखा। उन्होंने बहुत अच्छा खेला। उन्होंने 18 ओवर में 50 रन दिए और एक विकेट लिया। इसलिए, बदलाव की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि एक टेस्ट मैच हारने के बाद, अगर आप इसके बारे में इतना सोचते हैं, तो यह मुश्किल हो जाता है।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता का मानना है कि भारतीय टीम के लिए प्लेइंग इलेवन लाइन–अप में निरंतरता की जरूरत है। पहले टेस्ट मैच में वाशिंगटन और दूसरे टेस्ट मैच में अश्विन। क्या इतने सारे बदलावों की जरूरत है? मुझे नहीं लगता कि इसकी जरूरत है। उन्होंने ऐसा किया है। वे दूसरे टेस्ट मैच में अश्विन को लेकर आएं। लेकिन ऐसा दोबारा न करें। अगर आप खिलाड़ी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना चाहते हैं, तो आपको उसे सुरक्षा देनी होगी। और मुझे लगता है कि इस लिहाज से मैं इस टेस्ट मैच में अश्विन को लेकर ही रहूंगा।

कार्ल हापकिंसन को मुंबई इंडियंस का नया फील्डिंग कोच नियुक्तकिया गया

मुंबई, 13 दिसंबर। पांच बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को कहा कि उसने आईपीएल 2025 से पहले कार्ल हॉपकिंसन को अपना नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। हॉपकिंसन ने जेम्स पैमेंट की जगह ली है, जो सात साल तक मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच थे।

न्यूजीलैंड के मूल निवासी पैमेंट 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की लगातार खिताबी जीत का हिस्सा थे। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, हम उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हॉपकिंसन ने हाल ही में इंग्लैंड के लंबे समय से चले आ रहे फील्डिंग कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है, यह भूमिका उन्होंने 2018 में संभाली थी। वे 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड के वनडे विश्व कप और नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीत में शामिल थे।

हॉपकिंसन वेस्टइंडीज में 2022 में अंडर19 विश्व कप में इंग्लैंड अंडर19 टीम के मुख्य फील्डिंग कोच भी थे, जहां वे 1998 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भारत के बाद उपविजेता रहे।

ससेक्स के लिए अपने खेल करियर में, हॉपकिंसन ने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें 2,705 रन बनाए और 27.60 की औसत से रन बनाए, जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 1,400 रन और 28 टी20 मैचों में 165 रन बनाए, इसके अलावा 2007 में काउंटी चौंपियनशिप जीतने वाली ससेक्स के अहम सदस्य भी रहे।

फील्डिंग कोच के रूप में उनका काम अब बंद हो चुकी चौंपियंस लीग टी20 में ससेक्स टीम के साथ शुरू हुआ, 2010 से टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े रहे। 2018 में इंग्लैंड सेट–अप में जाने से पहले, उन्होंने 2012 और 2016 के बीच ससेक्स के दूसरे ग्यारहवीं कोच के रूप में भी काम किया।

आईपीएल 2025 के लिए, मुंबई के पास रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की मजबूत भारतीय चौकड़ी के साथ हार्दिक पांड्या कप्तान होंगे। जेद्दा में पिछले महीने की मेगा नीलामी में, मुंबई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपली जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया।

उन्होंने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ–साथ अल्लाह गजनफर, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया।

हेड गिलक्रिस्ट जैसी शैली में खेलते हैं : पोंटिंग

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड आधुनिक समय के खेल के महान बल्लेबाजों में से एक बनने की राह पर हैं।एडिलेड ओवल में खेले गए डे–नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दस विकेट से हराने में मदद करने के लिए हेड ने 141 गेंदों पर 140 रन की शानदार पारी खेली और मेजबान टीम को पांच मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर करने में मदद की।हेड पिछले 18 महीनों में भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं – उन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में शानदार 163 रन बनाए और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में मैच जीतने वाली 137 रन की पारी खेली।यह उन (महान) खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें अभी महान कह सकते हैं। वह जो कर रहे हैं, उस पर कोई आलोचना नहीं है क्योंकि वह जो कर रहे हैं, वह शानदार है। और कई बार ऐसा तब होता है जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज़्यादा जरूरत होती है।आईसीसी रिव्यू शो में पोंटिंग ने कहा, विश्व कप सेमीफाइनल, विश्व कप फाइनल, विश्व टेस्ट चौंपियनशिप, ऑस्ट्रेलिया में कुछ साल पहले हुई एशेज के बारे में सोचिए। बड़े पल तब होते हैं जब ट्रैविस ने खड़े होने का तरीका ढूंढ लिया।उन्होंने हेड की खेलने की शैली की तुलना अपने पूर्व साथी, शानदार विकेटकीपर–बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट से भी की, जिन्होंने 2000 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के दबदबे वाले दौर में बाएं हाथ के बल्लेबाज के तौर पर आक्रामक स्ट्रोकप्ले किया था।

स्पष्ट रूप से गिली ही हैं। हेड जिस तरह से खेलते हैं वह गिलक्रिस्ट के खेलने के तरीके से काफी मिलता–जुलता है, हालांकि वे बैटिंग ऑर्डर में कुछ पोजिघ्शन ऊपर है। गिली छह या सात नंबर पर थे, और ट्रैविस नंबर 5 पर अपना खेल दिखा रहे हैं।मुझे बैठकर उन्हें खेलते हुए देखना अच्छा लगता है। लोगों को इस तरह से खेलते हुए देखना काफी तरोताजा करने वाला होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थिति कैसी भी हो, ट्रैविस उसी तरह से खेलेगा और मुझे यह पसंद है।

पोंटिंग ने निष्कर्ष निकाला, यह ट्रैविस का रवैया है जो उसे उस तरह से खेलने की अनुमति देता है जिस तरह से वह खेलता है। वह आउट होने से नहीं डरता। उसे नकारात्मक परिणाम की परवाह नहीं है। वह जो कुछ भी करता है, उसमें केवल सकारात्मक परिणाम देखता है।

भारत में एफडीआई पहली बार 1 लाख करोड़ डालर के पार

नईदिल्ली, 13 दिसंबर। भारत ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है, क्योंकि सदी की शुरुआत से पहली बार देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 1 लाख करोड़ डॉलर (लगभग 84,800 अरब रुपये) तक पहुंच गया है।उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 तक एफडीआई की संचयी राशि 1,033.40 अरब डॉलर (लगभग 87,650 अरब रुपये) रही है।यह दर्शाता है कि भारत विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बना हुआ है।यह उपलब्धि भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति को भी दर्शाती है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2024 में 3.89 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच चुका है, जो 2014 में 2 लाख करोड़ डॉलर था। एफडीआई के इस प्रवाह ने भारत को एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। यह निवेश भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और भविष्य में और अधिक निवेश आकर्षित करने की संभावना को मजबूत करता है।भारत में सबसे अधिक एफडीआई मॉरीशस से आया है, जो सभी एफडीआई का 25 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद सिंगापुर 24 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।अन्य महत्वपूर्ण निवेशक देशों में नीदरलैंड (7 प्रतिशत), जापान (6 प्रतिशत), यूनाइटेड किंगडम (5 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (3 प्रतिशत) और केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस (2–2 प्रतिशत) शामिल हैं।भारत में सबसे अधिक निवेश कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, निर्माण, बुनियादी ढांचा, ऑटोमोबाइल, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स जैसे सेवा और संबद्ध क्षेत्रों में हुआ है।1,033 अरब डॉलर में से 667.4 अरब डॉलर 2014 से 2024 के बीच आए, जो पिछले दशक की तुलना में 119 प्रतिशत अधिक है।भारत ने अपनी नीतियों को और आकर्षक बनाया, जिससे एफडीआई प्रवाह में वृद्धि हुई। मेक इन इंडिया पहल के तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 69 प्रतिशत वृद्धि देखी गई है।भारत में अधिकांश क्षेत्रों में ऑटोमैटिक मार्ग से एफडीआई की अनुमति है।हालांकि, दूरसंचार, मीडिया, फार्मास्यूटिकल्स और बीमा जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों को सरकारी मंजूरी चाहिए। ऑटोमैटिक मार्ग के तहत, निवेश के बाद भारतीय रिजर्व बैंक को सूचित करना होता है।कुछ क्षेत्रों में एफडीआई प्रतिबंधित है, जैसे लॉटरी, जुआ, सट्टेबाजी, चिट फंड, रियल एस्टेट व्यवसाय और तंबाकू उत्पादों का निर्माण। इन क्षेत्रों में निवेश के लिए अनुमति नहीं है।

कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन सेंसेक्स 1000 से ज्यादा अंक लुढका, निफ्टी 24,498 पर

मुंबई, 13 दिसंबर। कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है. सुबह 11 बजे के करीब बीएसई पर सेंसेक्स 1ज17 अंकों की गिरावट के साथ 80,272.64 पर कारोबार कर रहा है. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 1.34 फीसदी की गिरावट के साथ 24,219.70 पर कारोबार कर रहा है.

कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 122 अंकों की गिरावट के साथ 81,167.72 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ 24,498.35 पर खुला. लगभग 1177 शेयरों में बढ़त हुई, 1169 शेयरों में गिरावट आई और 133 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ.बाजार खुलने के साथ ही निफ्टी पर बीपीसीएल, पावर ग्रिड कॉर्प, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अडानी एंटरप्राइजेज, एलएंडटी के शेयर बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहे, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, इंफोसिस, हिंडाल्को और ब्रिटानिया के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे.कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार रेड जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 236 अंकों की गिरावट के साथ 81,289.96 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 24,558.30 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी पर अडाणी एंटरप्राइजेज, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, अडाणी पोर्ट्स के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि एनटीपीसी, हीरो मोटोकॉर्प, एचयूएल, कोल इंडिया और टाटा कंज्यूमर के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे. आईटी को छोडकर बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में कारोबार किए. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5–1 फीसदी की गिरावट आई.

जोमैटो को मिला झटका! जीएसटी डिपार्टमेंट से 800 करोड़ की डिमांड, शेयर फोकस में

मुंबई, 13 दिसंबर। आज जोमैटो के शेयरों में गिरावट दर्ज की जा रही है. फूड डिलीवरी एग्रीगेटर ने बताया कि ठाणे में जीएसटी विभाग ने ब्याज और जुर्माना सहित कंपनी पर 803.4 करोड़ रुपये की कर मांग लगाई है.

कंपनी ने नियामक फाइलिंग में कहा कि यह मांग 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के दौरान डिलीवरी चार्ज पर जीएसटी का पेमेंट न करने से संबंधित है. फाइलिंग में कहा गया है हमारा मानना है कि हमारे पास योग्यता के आधार पर एक मजबूत मामला है, जो हमारे बाहरी कानूनी और कर सलाहकारों की राय से समर्थित है. इसे महाराष्ट्र के ठाणे आयुक्तालय के सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया, जिसमें लागू ब्याज सहित 401.70 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग और 401.70 करोड़ रुपये का जुर्माना की पुष्टि की गई.

आदेश के अनुसार जोमैटो को बकाया टैक्स के रूप में 401.7 करोड़ रुपये और जुर्माने के रूप में समान राशि का भुगतान करना होगा. कुल मांग जुलाई–सितंबर 2024 तिमाही के लिए जोमैटो के लाभ से चार गुना से अधिक है.जोमैटो ने कहा कि वह इस निर्णय के विरुद्ध अपील करने की योजना बना रहा है.जोमैटो ने स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई को बताया कि वह ऑथॉरिटी के सामने आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगा.

भारतीय रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की मिली धमकी, रूसी भाषा में आया ई-मेल, जांच शुरू

मुंबई, 13 दिसंबर। भारतीय रिजर्व बैंक को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ईमेल मिला. रूसी भाषा में लिखे इस ईमेल में केंद्रीय बैंक को उड़ाने की योजना की चेतावनी दी गई है.

मुंबई पुलिस के जोन 1 डीसीपी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ईमेल आया है. ईमेल रूसी भाषा में था, जिसमें बैंक को उड़ाने की चेतावनी दी गई थी. माता रमाबाई मार्ग (एमआरए मार्ग) पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मामले की जांच जारी है.

16 नवंबर को आरबीआई के कस्टमर केयर नंबर पर बम की धमकी मिली थी, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को ष्लश्कर–ए–तैयबा का सीईओष बताया था. कॉल के दौरान, कथित तौर पर आरोपी ने धमकी देने से पहले फोन पर एक गाना भी गाया था. लश्कर–ए–तैयबा आतंकवादी समूह ने 2008 के मुंबई हमलों को अंजाम दिया था, जो भारत में सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक था.

मुंबई पुलिस ने इन लगातार धमकियों के मद्देनजर अपनी सतर्कता बढ़ा दी है और सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं. किसी भी संभावित खतरे को कम करने के लिए आरबीआई कार्यालयों और आसपास के इलाकों में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं।

रस्सी कूदना घुटनों के लिए होता है हानिकारक? जानें इस एक्सरसाइज को करने का सही तरीका

रस्सी कूदना एक लोकप्रिय एक्सरसाइज है, जिसे लोग सेहतमंद बने रहने के लिए अपनाते हैं। हालांकि, कई बार यह सवाल उठता है कि क्या यह घुटनों के लिए हानिकारक हो सकती है?इस लेख में हम इसी मिथक को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि क्या सच में रस्सी कूदना घुटनों के लिए नुकसानदायक है या नहीं।सही तकनीक और सावधानियों का पालन करके आप इसे सुरक्षित बना सकते हैं।

सही तकनीक अपनाएं

रस्सी कूदते समय सही तकनीक का पालन करना बहुत जरूरी है। गलत तरीके से रस्सी कूदने से घुटनों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे चोट लगने का खतरा होता है।हमेशा ध्यान रखें कि आपके पैर जमीन पर धीरे से पड़ें और अपने घुटनों को थोड़ा मोडकर रखें। इससे झटके कम होंगे और घुटनों पर दबाव नहीं पड़ेगा।इसके अलावा, अपने शरीर को सीधा रखें और संतुलन बनाए रखें, ताकि यह एक्सरसाइज सुरक्षित और प्रभावी हो सके।

सही जूते पहनें

रस्सी कूदते समय सही जूतों का चयन करना भी जरूरी होता है। अच्छी गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स शूज पहनने से आपके पैरों और घुटनों को पर्याप्त सहारा मिलता है, जिससे चोट लगने की संभावना कम हो जाती है।जूतों का सोल मुलायम होना चाहिए, ताकि जमीन पर पडने वाले झटके को कम किया जा सके। इसके अलावा, जूतों का फिट भी सही होना चाहिए, ताकि वे आरामदायक हों और एक्सरसाइज के दौरान पैर सुरक्षित रहें।

वार्म–अप करें

एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वार्म–अप करना जरूरी होता है। इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है और चोट लगने की संभावना कम होती है।रस्सी कूदने से पहले कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करें, ताकि आपके शरीर की मांसपेशियां तैयार हो जाएं। इसके अलावा, आप हल्की जॉगिंग भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर पूरी तरह से गर्म हो जाए और घुटनों पर दबाव कम पड़े।इस तरह आप चोट से बच सकते हैं और एक्सरसाइज का लाभ उठा सकते हैं।

धीरे–धीरे तीव्रता बढ़ाएं

अगर आप नए हैं तो शुरुआत में धीरे–धीरे तीव्रता बढ़ाएं। अचानक ज्यादा देर तक रस्सी कूदने से घुटनों पर अधिक दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लग सकती है।पहले कुछ मिनट तक ही रस्सी कूदें और फिर धीरे–धीरे समय और तीव्रता बढ़ाएं। इससे आपके घुटनों को आराम मिलेगा और वे एक्सरसाइज के लिए धीरे–धीरे तैयार हो जाएंगे।इस प्रकार, आप चोट से बच सकते हैं और एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

बच्चे ही नहीं बड़ों की जिंदगी भी तबाह कर सकते हैं मार्केट में मिलने वाले एनर्जी ड्रिंक्स, इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

आजकल मार्केट में तरह तरह के एनर्जी ड्रिंक्स मिलने लगे हैं। ये एनर्जी ड्रिंक भले ही शरीर को तुरंत एक्टिव मोड में ले आते हों, लेकिन लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। हाई शुगर और हाई कैफीन वाले ये एनर्जी ड्रिंक पिछले कुछ सालों में डायबिटीज का बड़ा कारण बन चुके हैं। हाल की में कंबोडिया सरकार ने स्कूलों में एनर्जी ड्रिंक्स बेचने पर रोक लगा दी है। जिसकी वजह युवाओं में डायबिटीज, मोटापा और दूसरी बीमारियों के बढना को बताया गया है। आइये जानते हैं कि एनर्जी ड्रिंक्स को क्यों इतना खतरनाक माना जाता है। अगर आप एनर्जी ड्रिंक पीते हैं तो इससे शरीर को क्या नुकसान होता है?

न्यूट्रीशियन, वेट लॉस कोच और कीटो डाइटिशियन स्वाति सिंह के अनुसार, एनर्जी ड्रिक्स में शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है और जब आप ये ड्रिक्स पीते हैं तो शरीर इस शुगर को फैट और ट्राइग्लिसराइड्स के रूप में डिपॉजिट कर देता है। जिससे आपको फैटी लिवर की समस्या हो सकती है आपका ट्राइग्लिसराइड्स हाई हो सकता है। इससे आपको कार्डियक अरेस्ट आ सकता है। हाइपरटेंशन की समस्या हो सकती है। एनर्जी ड्रिंक्स में हाई कैफीन और शुगर होने के कारण इससे हार्ट बीट बढ़ सकती है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। ये सारी चीजें हार्ट के लिए ठीक नहीं है।

एनर्जी ड्रिंक के नुकसान

जब आप ऐसे एनर्जी ड्रिक्स लेते हैं तो इससे शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ती है जो आपको रेस्टलेस बनाता है। इससे एंग्जाइटी लेवल बढ़ जाता है। इससे आपकी नींद भी प्रभावित होती है। कुछ लोगों को नींद नहीं आने, सिर दर्द और माइग्रेन की समस्या होने लगती है। एनर्जी ड्रिंक्स में ग्लोकोज की मात्रा ज्यादा होने के कारण एसिड बढ़ सकता है। अगर आप लंबे समय तक किसी भी एनर्जी ड्रिंक का सेवन करते हैं तो इससे गैस्ट्राइटिस की समस्या हो सकती है। एसिड रिफ्लक्शन हो सकता है। नॉजिया हो सकता है। इसलिए एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन न करें।

एनर्जी ड्रिंक का किडनी पर असर

एनर्जी ड्रिंक्स के अंदर कैफीन का मात्रा ज्यादा होती है। ज्यादा कैफीन आपके शरीर को डिहाइड्रेट कर देता है। लंबे समय में डिहाइड्रेशन की वजह से आपकी किडनी पर असर आना शुरू हो जाता है। वहीं इसमें शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है जो किडनी को स्ट्रेस में डालती है। दोनों ही चीजें किडनी की सेहत के लिए ठीक नहीं हैं।

बच्चों के लिए क्यों खतरनाक हैं एनर्जी ड्रिंक

अगर बच्चे या युवा इस तरह के एनर्जी ड्रिक्स लेते हैं तो इससे बच्चों के दिमाग के विकास पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। ऐसे बच्चे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रख पाते हैं। बच्चों के अंदर व्यवहार से जुड़े बदलाव आने लगते हैं। बच्चों में मेटाबोलिक डिसऑर्डर का खतरा बढ़ सकता है। अगर आप लगातार ऐसे ड्रिंक्स का सेवन करते हैं तो इससे शरीर की नेचुरल एनर्जी कम होने लगती है। आप बिना इन ड्रिक्स के खुद को थका हुआ और मानसिक तनाव में महसूस करते हैं।

एनर्जी ड्रिक्स पीने से बढ़ता है इन बीमारियों का खतरा

एनर्जी ड्रिंक्स ज्यादा पीने से मेंटल हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित होती है। इससे नींद खराब होती है। डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। ऐसे बच्चों में मोटापा बढने लगता है और वो बुरी तरह से बर्बाद हो सकते हैं। एनर्जी ड्रिंक्स में टॉराइन और गुआराना जैसे तत्व पाए जाते हैं जो आपके अंदर मानसिक समस्याएं, टेंशन और घबराहट बढ़ा सकते हैं। टीनएज में बच्चों को इस तरह की ड्रिक्स से दूर रखना चाहिए। ये उनके ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं।

शबाना ने अपने कोस्टार को लेकर किये खुलासे

fgदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हर तरह के रोल निभाकर दर्शकों का दिल जीता है। अब एक्ट्रेस ने अपने को–स्टार रहे शत्रुघ्न सिन्हा और संजीव कुमार को लेकर कई खुलासे किए हैं।

शबाना आजमी ने अमिताभ बच्चन की समय की पाबंदी की तारीफ की। शबाना आजमी ने विनोद खन्ना के साथ फिल्म परवरिश में काम किया था। उनकी ये फिल्म बड़ी हिट साबित हुई थी। इंटरव्यू में शबाना आजमी ने कई खुलासे किए हैं। इस दौरान उन्होंने एक घटना को याद करते हुए कहा, 'हम एक साथ 12 फिल्मों पर काम कर रहे थे। मैं संजीव कुमार के साथ फिल्म 'नमकीन' में काम कर रही थी।। फिल्म की शूटिंग फिल्म सिटी में होती थी और शिफ्ट सुबह 7 बजे शुरू होती थी, लेकिन संजीव कुमार कभी 11.30 बजे से पहले नहीं आते थे। मैं अपनी मां से कहती थी, 'माँ, कृपया मुझे इतनी जल्दी मत उठाओ, हीरो कभी समय पर नहीं आते हैं लेकिन शबाना की मां, जो खुद एक एक्ट्रेस थीं, उन्हें समय पर ही भेज देती थीं।' अपनी बात आगे रखते हुए शबाना ने कहा, 'क्योंकि वह खुद एक अभिनेत्री थीं और थिएटर बैकग्राउंड से आई थीं, उन्होंने मुझे सलाह दी, 'बेटा, इससे तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। मेकर्स से वादा किया है तो तुम्हें पूरा भी करना होगा। भले ही शूटिंग शुरू न हो। हीरो के देर से आने के कारण उनका शेड्यूल भी काफी बिगड़ जाता था, ये भी शबाना ने बताया , वहां, 2–10 की शिफ्ट में काम करती थीं, शत्रुघ्न सिन्हा केवल 7 बजे आते थे। इनसे राजेश खन्ना भी बेहतर थे, वह संजीव और शत्रुघ्न जितने बुरे नहीं थे।

शबाना ने बताया पहले के मुकाबले अब काफी कुछ बदल गया है। उस दौर में शशि कपूर और अमिताभ बच्चन ही दो लोग थे जो समय के पाबंद थे। वह हमेशा सेट पर समय पर ही आते थे। ¼fgQ½

गूगल पर स्त्री-2 को सबसे ज्यादा ढूंढा गया

Xगल ने एक लिस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने बताया कि साल 2024 में कौनसी फिल्मों में इंटरनेट यूजर्स की दिलचस्पी ज्यादा रही। लिस्ट में सबसे आगे रही स्त्री 2, कल्कि 2898 ई. और लापता लेडीज। गत 10 दिसंबर को गूगल की एनुअल ईयर इन सर्च रिपोर्ट जारी की गई। इसमें दिखाया गया कि 2024 में भारत में लोगों ने क्या सर्च किया। ब्लॉकबस्टर फिल्मों से लेकर हिस्टॉरिक ड्रामा और म्यूजिक तक मनोरंजन के लिए भारत के लोगों का सर्च इंट्रेस्ट दिखाता है। चाहे वह अलग–अलग स्टाइल, भाषा या लोगों के पसंद किए जाने वाले म्यूजिक के मामले में हो। जब फिल्मों की बात आती है तो स्त्री 2 के रोमांच ने गूगल पर भी सर्च गेम जीत लिया। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और यहां सर्च के मामले में भी टॉप पर रही। इसके बाद प्रभास और दीपिका पादुकोण की कल्कि 2898 ई.डी. रही। इस लिस्ट में यह भी पता चला कि इंटरनेट यूजर्स सामाजिक मुद्दों में भी दिलचस्पी रखते थे जिसमें 12वीं फेल तीसरे नंबर पर रही और ऑस्कर में भारत की ऑफीशियल एंट्री लापता लेडीज चौथे नंबर पर रही। हनुमान पांचवें नंबर पर रही, जबकि महाराजा छठे और मंजुम्मेल बॉयज सातवें नंबर पर रहे। ¼fgQ½

सात दिन 700 करोड़ के करीब!, पुष्पाराज के आगे झुकीं जवान से टाइगर 3 समेत ये फिल्में, हिंदी कलेक्शन में गाड़े झंडे

सुपरस्टार शाहरुख खान का हिंदी बॉक्स ऑफिस पर लगभग 2 साल पुराना ओपनिंग वीक रिकॉर्ड अल्लू अर्जुन की एक्शन ड्रामा पुष्पा 2 – द रूल ने मात्र 6 दिनों में तोड़ दिया है. यह डब वर्जन में हर रिकॉर्ड तोडकर अब तक की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है. वहीं, फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया है. क्या पुष्पा 2 प्रभास की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ पाएगी? अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज हुई और 7 दिनों के अंदर फिल्म नेट इंडिया कलेक्शन में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बहुत करीब पहुंच गई है.

सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले बुधवार को 42 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 687 करोड़ रुपये हो गया है।

सिद्धार्थ आनंद की निर्देशित पठान पिछले साल जनवरी में रिलीज हुई थी. इसने अपने 9 दिनों में 351 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था. पुष्पा 2 ने इस रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ दिया है. जी हां, अल्लू अर्जुन ने इस रिकॉर्ड को 6 दिनों में ही तोड़ दिया. पुष्पा 2 का कुल कलेक्शन सिर्फ 6 दिनों में 375 करोड़ नेट रहा.

पुष्पा 2 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 7 दिन हो चुके हैं इन एक सप्ताह में फिल्म ने हिंदी वर्जन में कई रिकॉर्ड ब्रेक किए. वहीं, एक सप्ताह पूरा होने के बाद फिल्म ने शादरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान, पठान, रणबीर कपूर की एनिमल समेत कई फिल्मों को पछाड़ दिया है. पुष्पा 2 ने 7वें दिन 30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. 7 दिनों के बाद पुष्पा 2 ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. एक सप्ताह में फिल्म ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कुल 405 करोड़ रुपये कमा लिए हैं वहीं, पुष्पा 2 एक सप्ताह में बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों के लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई है.

सैकनिलक के शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, पुष्पा 2 ने अपने पहले बुधवार को 42 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म ने तेलुगू में 9 करोड़ रुपये, हिंदी में 30 करोड़ रुपये, तमिल में 2 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 0.6 करोड़ रुपये और मलयालम में 0.4 करोड़ रुपये कमाए.

इस तरह पुष्पा 2 का 7वें दिन का कुल कलेक्शन 687 करोड़ रुपये रहा. अगर हम फिल्म के भाषावार कलेक्शन पर नजर डालें तो तमिल रिलीज से कुल कलेक्शन 232.75 करोड़ रुपये, हिंदी में 398.1 करोड़ रुपये, तमिल में 39 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 5.05 करोड़ रुपये और मलयालम में 12.1 करोड़ रुपये रहा.

इन एक सप्ताह में पुष्पा 2 ने इस साल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी, श्रद्धा कपूर–राजकुमार स्टारर स्त्री 2 जैसी बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया. वह इसकी नजर दंगल, बाहुबली 2 के लाइफटाइम कलेक्शन पर बनी हुई है.

फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजनबाला के मुताबिक, पुष्पा 2 की नजर बाहुबली 2 के लाइफटाइल कलेक्शन को तोडने पर थी, लेकिन इससे वह चूक गई. प्रभास स्टार ने 16 हफ्तों में 1030 करोड़ रुपये का लाइफटाइम कलेक्शन किया. जबकि 7वें दिन अल्लू अर्जुन की फिल्म दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1025 करोड़ रुपये कमा सकी.

फिर क्वीन बनेंगी कंगना रनौत, इमरजेंसी की रिलीज से पहले लगी सीक्वल पर मुहर

कंगना रनौत की क्वीन आज भी लोगों के जहन में बसी हुई है इसी फिल्म से कंगना को बॉलीवुड की क्वीन का टैग भी मिला. ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि सबने इसके सीक्वल की खूब डिमांड की. अब आखिरकार इसके डायरेक्टर विकास बहल ने सीक्वल को कंफर्म कर दिया है. इससे कंगना रनौत के फैंस के बीच खुशी की लहर है.

विकास बहल ने चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30, शैतान जैसी यादगार फिल्में बनाई हैं. जहां उनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है, वहीं रानी के रूप में अपनी यादगार भूमिका को दोहराते हुए कंगना रनौत की क्वीन के सीक्वल की अटकलें चल रही थीं जो अब सच हो गई हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में विकास बहल ने ऑफिशियली पुष्टी की है कि क्वीन 2 पर काम चल रहा है. उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ समय से क्वीन 2 पर काम कर रहे हैं और आखिरकार हमारे पास कुछ बताने को है. हालांकि उन्होंने सीक्वल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी. लेकिन इस कंफर्मेशन से कंगना के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है.पिछले साल, विकास ने हिंट दिया था कि सीक्वल पर काम चल रहा है और कंगना रनौत अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगी. जिस पर रिएक्शन देते हुए कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, हां. अब 2024 में क्वीन के 10 साल पूरे होने पर विकास ने इसके सीक्वल के बारे में पुष्टी की है. उन्होंने इंटरव्यू में कहा, क्वीन की रिलीज को दस साल होने जा रहे हैं, लेकिन जितने लोग मुझसे क्वीन 2 के बारे में पूछते रहते हैं, उससे मुझे ऐसा लगता है जैसे फिल्म कल ही रिलीज हुई हो. उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वास्तव में अपनी कहानी लिखना समाप्त कर दिया है. इसलिए, हां सीक्वल बनना बनेगा.

फिल्म मेकर ने इस बात पर जोर दिया कि सीक्वल को जल्दबाजी में नहीं बनाया गया, क्योंकि वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट ओरिजिनल फिल्म के साथ न्याय करे. उन्होंने हंसते हुए कहा, ना शोहरत, ना पैसा, बस प्यार में ही चल रहा है मेरा. उन्होंने कहा, फिल्म अच्छी होगी तो हम पैसा तो कमा ही लेंगे लेकिन एक अच्छी कहानी होना बहुत जरुरी है.

2014 में रिलीज हुई क्वीन को भारतीय सिनेमा की एक ऐतिहासिक फिल्म माना जाता है. फिल्म में कंगना एक छोटे शहर की लडकी है जो अपने मंगेतर द्वारा ठुकराए जाने के बाद खुद के साथ हनीमून पर निकलती है. विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने कई पुरस्कार जीते, जिसमें कंगना को मिला नेशनल अवॉर्ड भी शामिल हैं. क्वीन में कंगना रनौत के साथ राजकुमार राव ने लीड रोल प्ले किया है.

अजय देवगन की फिल्म आजाद की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर आया सामने

जनवरी 2025 में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन बहुप्रतीक्षित फिल्म आजाद के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के पोस्टर और ट्रेलर पहले ही जारी हो चुके हैं, जिसमें अमन और राशा दमदार अवतार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म के निर्माताओं ने आजाद की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

निर्माताओं ने आज आजाद का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म में अजय देवगन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। साथ ही राशा थडानी और अमन देवगन भी नजर आए। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है।अजय देवगन ने भी फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, इस कहानी का दिल एक योद्धा है, और धडकन। आजाद, 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रोमांच का गवाह बनें। अब प्रशंसक बेहद उत्साहित हो गए हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं।वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो स्वतंत्रता–पूर्व भारत में सेट आजाद में अजय देवगन एक कुशल घुड़सवार की भूमिका में हैं जिसका अपने घोड़े से गहरा संबंध है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब अजय का सामना कठोर अंग्रेजी सेनाओं से होता है और अराजकता के दौरान उनका प्रिय घोड़ा गायब हो जाता है। खोए हुए घोड़े को खोजने की जिम्मेदारी अमन देवगन के किरदार पर आती है।इससे पहले आजाद के बारे में बात करते हुए अजय देवगन ने कहा था कि राशा और अमन की फिल्म में मेरी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ट्रेलर रिलीज हो चुका है और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह बहुत मेहनती लडका है। फिल्म का निर्माण उद्योग के दिग्गज रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर ने किया है। अब यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

मिस यूनिवर्स हरनाज संधू की बालीवुड में एंट्री, बागी 4 में बनीं टाइगर श्राफ की हीरोइन

जल्द ही कई फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी। इन्हीं में से एक है बागी 4, जिसकी राह दर्शक पिछले काफी समय से देख रहे हैं।पिछले दिनों इससे टाइगर श्रॉफ का धांसू अवतार सामने आया था। बागी 4 से अब तक श्रद्धा कपूा समेत कई अभिनेत्रियों का नाम जुड़ चुका है, लेकिन बाजी मारी है मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब जीत चुकीं हरनाज संधू ने।इसी के साथ बागी 4 के लिए लीड हीरोइन की तलाश पूरी हो चुकी है।निर्माता–निर्देशक साजिद नाडियाडवाला टाइगर श्रॉफ, कृति सैनन और अहान शेट्टी के बाद अब हरनाज को बॉलीवुडमें लॉन्च करने के लिए तैयार हैं।उन्होंने सोशल मीडिया पर यह बड़ा ऐलान कर दिया है कि फिल्म बागी 4 की लीड हीरोइन के लिए हरनाज के नाम पर मोहर लग चुकी है।खास बात यह है कि मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब भी हरनाज ने 12 दिसंबर को ही जीता था और उनकी पहली फिल्म की घोषणा भी इसी दिन हुई है।बागी 4 के निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्होंने भजरंगी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन किया है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।फिल्म से टाइगर के कई पोस्टर सामने आ चुके हैं। बागी 4 को 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।बता दें बागी 2016 में रिलीज हुई थी, वहीं इसका सीक्वल 2018 में और तीसरा भाग 2020 में आया था। तीनों ने ही बढिया कमाई की थी।बता दें कि हरनाज को एक्टिंग का बहुत शौक है।

वह 2 पंजाबी फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं।बॉलीवुड में काम करने पर उन्होंने कहा था कि वह शाहरुख खान के साथ अपना सफर शुरू करना चाहती हैं, क्योंकि वह शुरू से ही उनके पसंदीदा अभिनेता रहे हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।